सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

5 साल की बच्ची के गिफट किया खिलोना...... पेज: 4

करण जौहर की टैलेट एजेंसी से अलग हुई जान्हवी कपुर पेज: 8

वर्ष : 01 | अंक : 346 | शनिवार 28 मार्च 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

सुप्रीम कोट

पटना हाईकोर्ट का फैसला पलटा

दहेज हत्या समाज पर 'कलंक' : सुप्रीम कोर्ट ने जताई कड़ी नाराजगी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने दहेज हत्याओं को समाज पर कलंक बताते हुए कहा है कि कानूनी रोक के बावजूद यह कुप्रथा हजारों महिलाओं की अप्राकृतिक मौत का कारण बन रही है। जस्टिस जेबी पाडीर्वाला और विजय बिश्नोई की पीठ ने दहेज हत्या के मामले में एक व्यक्ति की जमानत रद करते हुए यह टिप्पणी की और कहा कि पटना हाई कोर्ट द्वारा आरोपित को जमानत पर रिहा करने का आदेश पूरी तरह से गलत है। पीठ ने कहा कि दहेज हत्या जैसे गंभीर अपराध में हाई कोर्ट को अपने विवेक का प्रयोग करते समय बहुत सावधानी बरतनी चाहिए थी। दहेज हत्या वास्तव में एक कलंक और गंभीर सामाजिक बुराई है। यह मानवाधिकारों और मानवीय गरिमा का घोर उल्लंघन है।कानूनी प्रतिबंधों के बावजूद यह कुप्रथा हजारों महिलाओं की अप्राकृतिक मृत्यु का कारण बनती है। अक्सर दूल्हे के परिवार द्वारा धन या कीमती सामान की मांग करते हुए दुल्हन को मार दिया जाता है या वह आत्महत्या के लिए मजबूर हो जाती है।दहेज हत्याएं समाज के लिए बहुत कलंक की बात है। शीर्ष अदालत ने कहा कि हाई कोर्ट ने अपने आदेश में किसी अन्य बात पर चर्चा नहीं की और केवल इस बात पर ध्यान दिया है कि आरोपित न्यायिक हिरासत में है और अब तक केवल दो गवाहों से पूछताछ की गई है। हाई कोर्ट ने मामले के कई महत्वपूर्ण पहलुओं को नजरअंदाज कर दिया, विशेष रूप से मृतका के शरीर पर चोटों की संख्या बताने वाली पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अपराध होने की आशंका को।

अभियुक्त के वकील ने बताया कि यह आत्महत्या का मामला है। मृतका की मानसिक स्थिति स्थिर नहीं थी और उसने इमारत की छठी मंजिल से छलांग लगा दी थी। लेकिन, सुप्रीम कोर्ट ने उल्लेख किया कि मृतका की अभियुक्त से डेढ़ साल पहले शादी हुई थी। महिला एक सितंबर, 2024 को अपने ससुराल में संदिग्ध परिस्थितियों में मृत पाई गई थी। उसके शरीर पर बाहरी और आंतरिक चोटों के निशान थे। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मृत्यु का कारण सिर में लगी चोट के कारण रक्तस्राव बताया गया है। पीठ ने कहा, हाई कोर्ट द्वारा दी गई जमानत रद की जाती है और आरोपित को जेल अधिकारियों के समक्ष आत्मसमर्पण करने का आदेश दिया जाता है। यूपी गैंग्सटर एक्ट के विरुद्ध याचिकाएं टैग कर सुप्रीम कोर्ट ने तीन जजों की पीठ को भेजीं सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश गैंग्सटर एवं समाज विरोधी गतिविधियां अधिनियम, 1986 के कुछ प्रविधानों की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली सभी लंबित याचिकाओं को संलग्न करने का आदेश दिया है। साथ ही कहा कि इन संलग्न याचिकाओं को सुनवाई के लिए तीन जजों की पीठ के समक्ष रखा जाए। यह कानून उत्तर प्रदेश में संगठित अपराध, डकैती, कानून-व्यवस्था व सुरक्षा को खतरे में डालने वाली समाज विरोधी गतिविधियों से लड़ाई के लिए बनाया गया था।

जस्टिस जेबी पाडीर्वाला और विजय बिश्नोई की पीठ ने दहेज हत्या के मामले में एक व्यक्ति की जमानत रद करते हुए यह टिप्पणी की और कहा कि पटना हाई कोर्ट द्वारा आरोपित को जमानत पर रिहा करने का आदेश पूरी तरह से गलत है।

दिल्ली में मौसम का मिजाज बदला, बारिश और तेज हवाओं का यलो अलर्ट जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की राजधानी दिल्ली में कड़कती धूप और बढ़ती गर्मी के बीच मौसम एक बार फिर करवट लेने जा रहा है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने दिल्ली-एनसीआर में अगले चार दिनों तक तेज हवाओं के साथ बारिश होने की संभावना जताते हुए यलो अलर्ट जारी किया है। मौसम में यह बदलाव 28 मार्च से सक्रिय हो रहे एक नए पश्चिमी विक्षोभ के कारण देखने को मिलेगा, जिसके चलते दिल्ली के विभिन्न इलाकों में गरज-चमक के साथ हल्की बारिश या बूंदाबांदी हो सकती है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार, बृहस्पतिवार देर रात से ही आसमान में बादलों की आवाजाही शुरू होने की उम्मीद है। शुक्रवार को दिन भर बादल छाए रहेंगे और सुबह से दोपहर के बीच गरज-चमक के साथ हल्की फुहारें गिरने के आसार हैं। हालांकि 28 मार्च को मौसम थोड़ा शांत रह सकता है, लेकिन 29 मार्च को एक बार फिर बादलों के बरसने की प्रबल संभावना है। सबसे अधिक प्रभाव 30 मार्च को देखने को मिल सकता है, जब दिल्ली में 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलेंगी और बारिश के साथ मौसम खुशनुमा हो जाएगा। इस बदलाव के बाद तापमान में भी हल्की गिरावट दर्ज की जा सकती है, जिससे लोगों को गर्मी से राहत मिलेगी। इससे पहले, बृहस्पतिवार को दिल्लीवासी तेज धूप और उमस भरी गर्मी से परेशान रहे। दिन का अधिकतम तापमान 34.8 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जो सामान्य से अधिक है, जबकि न्यूनतम तापमान 19.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। हवा में नमी का अधिकतम स्तर 77 प्रतिशत और न्यूनतम 25 प्रतिशत रहा। मौसम वैज्ञानिकों का मानना है कि आने वाले दिनों में होने वाली यह बूंदाबांदी मार्च के अंत में बढ़ते पारे पर लगाम लगाएगी और धूल भरी हवाओं से भी राहत दिलाएगी।

एयर इंडिया एक्सप्रेस ने भारत-मिडिल ईस्ट के बीच 22 नई फ्लाइट बढ़ाईं

नई दिल्ली (एजेंसी)। एयर इंडिया और उसकी सहायक कंपनी एयर इंडिया एक्सप्रेस ने शुक्रवार के लिए अद्यतन अंतरराष्ट्रीय उड़ान कार्यक्रम जारी किया है, जिसमें भारत और पश्चिम एशिया के प्रमुख गंतव्यों के बीच संचालित होने वाली 22 निर्धारित और गैर-निर्धारित उड़ानों की पुष्टि की है। एयरलाइनों ने बताया कि संशोधित योजना क्षेत्र में वर्तमान यात्रा पैटर्न और परिचालन आवश्यकताओं को दर्शाती है। मीडिया रिपोर्ट में बयान के मुताबकि एयर इंडिया जेद्दा से आने-जाने वाली चार निर्धारित उड़ानें संचालित करेगी, जिनमें दिल्ली और मुंबई से दो-दो उड़ानें शामिल हैं। मुंबई-रियाद मार्ग पर दो और निर्धारित उड़ानें संचालित होंगी। बयान में कहा गया है कि एयर इंडिया एक्सप्रेस मस्कट और रियाद से आने-जाने वाली चार-चार उड़ानों के साथ इन मार्गों को और मजबूत करेगी। मस्कट की उड़ानें दिल्ली और मुंबई से संचालित होंगी, जबकि रियाद की उड़ानें बेंगलुरु और कोझिकोड से शुरू होंगी। रिपोर्ट के मुताबिक दोनों एयरलाइनें हवाईअड्डों पर उपलब्ध स्लॉट और मौजूदा जमीनी परिस्थितियों के आधार पर संयुक्त अरब अमीरात से आने-जाने वाली आठ अनियमित उड़ानें भी संचालित करेंगी। इन अतिरिक्त उड़ानों का उद्देश्य यात्रियों की भारी मांग को प्रबंधित करना और उनके लिए अधिक क्षमता सुनिश्चित करना है। प्रेस नोट में उस दिन की निर्धारित, अनियमित और अस्थायी रूप से निलंबित सेवाओं की पूरी सूची दी गई है। जेद्दा, रियाद और मस्कट जैसे मार्गों पर नियमित उड़ानें जारी रहेंगी, जबकि दुबई और अबू धाबी समेत यूएई के कुछ एयरपोर्ट पर केवल अनियमित उड़ानें ही चलेंगी।

पेड पीरियड लीव : कर्नाटक सरकार के आदेश के खिलाफ कोर्ट पहुंची 15 कामकाजी महिलाएं

जयपुर (एजेंसी)। बेंगलुरु,(ईएमएस)। कर्नाटक में कामकाजी महिलाओं के लिए पेड पीरियड लीव को लेकर विवाद बढ़ता जा रहा है। राज्य की कांग्रेस सरकार ने 20 नवंबर 2025 को सभी सरकारी और निजी सेक्टर की महिलाओं को हर महीने एक दिन की पेड पीरियड लीव देने का आदेश दिया था। इस आदेश के तहत महिलाओं को उस दिन की सैलरी भी मिलेगी। हालांकि, कर्नाटक सरकार के आदेश के खिलाफ अब बेंगलुरु की 15 निजी कंपनियों में मैनेजर पद पर कार्यरत महिलाओं ने कर्नाटक हाईकोर्ट में याचिका दायर की है। इन महिलाओं का तर्क है कि पुरुष और महिला के बीच अलग नियम बनाना कार्यस्थल पर समानता के सिद्धांत के खिलाफ है। उनका कहना है कि इस तरह की अनिवार्य छुट्टी महिलाओं को कमजोर दिखाने वाली सोच को बढ़ावा देती है और नियोक्ता उन्हें पुरुषों से कम सक्षम समझ सकते हैं।

चंडीगढ़ में दो दिवसीय एयर शो का आगाज, सूर्यकिरण टीम ने दिखाए रोमांचक करतब

-सुरक्षा के कड़े इंतजाम के बीच सुखना लेक आम लोगों के लिए बंद

चंडीगढ़ (एजेंसी)। सुखना लेक पर शुक्रवार से दो दिवसीय एयर शो का भव्य आगाज हुआ, जिसमें भारतीय वायुसेना की प्रसिद्ध सूर्यकिरण एरोबैटिक टीम ने आसमान में शानदार करतब दिखाकर दर्शकों को रोमांचित कर दिया। शो देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंचे, हालांकि प्रवेश केवल प्री-बुकिंग के आधार पर ही दिया गया।

एयर शो के दौरान हर दिन लगभग 10 हजार दर्शकों के पहुंचने का अनुमान है। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सुखना लेक को आम लोगों के लिए बंद कर दिया गया है। आयोजन स्थल पर कड़े सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं और जांच के बाद ही लोगों को प्रवेश दिया जा रहा है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में चंडीगढ़ के चीफ सेक्रेटरी राजेश प्रसाद भी मौजूद रहे। प्रशासन ने दर्शकों के लिए खुले में बैठने की विशेष व्यवस्था की है ताकि सभी लोग आराम से एयर शो का आनंद ले सकें।

इस एयर शो की खास बात यह है कि इसमें चंडीगढ़ के दो पायलट भी हिस्सा ले रहे हैं। विंग कमांडर तेजेश्वर सिंह सूर्यकिरण टीम का नेतृत्व कर रहे हैं, जबकि विंग कमांडर दिवाकर शर्मा भी टीम का हिस्सा हैं। तेजेश्वर सिंह आर्मी पब्लिक स्कूल, चंडी मंदिर के 2005 बैच के छात्र रह चुके हैं। उनके साथ फ्लाइट लेफ्टिनेंट कमल संधू भी टीम में शामिल हैं।

एयर शो के दौरान राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) की टीम भी तैनात की गई है, जो आसमान में उड़ने वाले पक्षियों पर नजर रख रही है, ताकि विमानों की उड़ान में कोई बाधा न आए। हालांकि सुबह हल्की बूंदाबांदी हुई, लेकिन इसका कार्यक्रम पर कोई असर नहीं पड़ा और तय समय पर एयर शो सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। यह आयोजन शहरवासियों और पर्यटकों के लिए खास आकर्षण का केंद्र बना हुआ है।

बंगाल में बदली भाजपा की रणनीति... ममता सरकार के खिलाफ आज शाह जारी कर सकते हैं चार्जशीट

बड़ी रैलिया के साथ ही डोर-टू-डोर संपर्क अभियान चलाएगी

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों के लिए भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने अपनी रणनीति में बड़ा बदलाव कर दिया है। इस बार पार्टी बॉटम-अप (नीचे से ऊपर की ओर) और क्षेत्र-विशिष्ट अभियान पर ध्यान केंद्रित करने में जुटी है। भाजपा का मुख्य लक्ष्य तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के सबसे मजबूत गढ़ कोलकाता और उसके आसपास के जिलों की 100 से अधिक सीटों पर जीत पाना है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 28 मार्च को टीएमसी सरकार के खिलाफ एक चार्जशीट जारी करने वाले है। इसमें सत्ताधारी ममता सरकार के कथित कुशासन और भ्रष्टाचार का कच्चा चिट्ठा दिखाया गया है। इसके साथ ही पार्टी एक श्वेत पत्र भी जारी करेगी, जिसमें टीएमसी सरकार की विफलताओं को उजागर करेगी। बात दें कि आगामी दिनों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह की बड़ी रैलियों की योजना बनाई है। 2021 के विपरीत इस बार भाजपा डोर-टू-

डोर संपर्क अभियान चलाएगी। लोकल समस्याओं को मुद्दा बना रही है। पिछले चुनाव में भाजपा को केंद्रीय नेताओं को रैलियों पर भरोसा था।

भाजपा की नई योजना के मुताबिक, कोलकाता में कानून-व्यवस्था, प्रशासनिक विफलता और हालिया आरजी कर (आरजी कर) जैसे संवेदनशील मुद्दों को उजागर करना है। वहीं, उत्तर 24 परगना (पानीहाटी) में कचरा डंपिंग जैसे स्थानीय मुद्दों पर ध्यान दिया जाएगा। अलीपुरद्वार में शिक्षा, सड़क और स्वास्थ्य ढांचे की कमियों को मुद्दा बनने की तैयारी है। पार्टी ने हर क्षेत्र के लिए अलग चार्जशीट तैयार की है, इस चार्जशीट को कार्यकर्ताओं द्वारा सीधे जनता तक पहुंचाया जाएगा।

भाजपा ने कोलकाता, हावड़ा, हुगली, दक्षिण और उत्तर 24 परगना के जिलों में 100 से अधिक सीटें जीतने का लक्ष्य रखा है। कोलकाता की 29 सीटें वर्षों से टीएमसी का मजबूत किला रही हैं, जहां ममता के दिग्गज मंत्री और विधायक चुनाव लड़ते हैं। इस चुनौती से निपटने के लिए भाजपा ने इस बार जमीनी नेताओं को तरजीह दी है। भाजपा ने माणिकतला सीट से टीएमसी छोड़कर आए तापस रॉय, भवानीपुर से शुभेंदु अधिकारी को उतारा है।

उत्तर बंगाल में 2021 में भाजपा यहां मजबूत स्थिति में थी। 34 सीटें मिली थीं। इस बार लक्ष्य 54 में से 45 सीटें जीतने का है। पार्टी यहां न्यू नॉर्थ बंगाल का नारा दे रही है और चाय बागान श्रमिकों की समस्याओं को प्रमुखता से उठा रही है। पार्टी माइक्रो-लेवल बूथ मैनेजमेंट पर जोर दे रही है ताकि केंद्र सरकार की योजनाओं की जानकारी हर घर तक पहुंचाई जा सके।

महाराष्ट्र विधानसभा में फर्जी प्रवेश पास बनाने के आरोप में पांच गिरफ्तार, कर्मचारी भी शामिल

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र पुलिस ने विधानसभा सत्र के दौरान फर्जी प्रवेश पास बनाने के आरोप में पांच लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। यह मामला तब सामने आया जब एक शिकायत में अनधिकृत पासों के वितरण का जिक्र किया गया। सत्र के दौरान राज्यमंत्री उदय सामंत ने यह मुद्दा उठाया था। शिकायत के आधार पर पुलिस ने जांच की और इस रैकेट से जुड़े पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बताया जा रहा है कि इनमें से कुछ मंत्रालय से जुड़े कर्मचारी हैं। गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान केशव गुंजल (53), गणपत भाऊ जावले (50), नागेश शिवाजी पाटिल (42), मनोज आनंद मोरबाले (40) और स्वप्निल रमेश तायडे (40) के रूप में हुई है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक और भी संदिग्ध इसमें शामिल हैं और उन्हें पकड़ने के प्रयास जारी हैं। इस मामले ने एक अहम विधायी सत्र के दौरान सुरक्षा प्रोटोकॉल के उल्लंघन को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा कर दी हैं। अधिकारियों ने बताया कि जांचकर्ता यह पता लगा रहे हैं कि फर्जी पास कैसे बनाए गए, इस प्रक्रिया को किसने अधिकृत किया और क्या किसी अंदरूनी व्यक्ति के समर्थन से यह जालसाजी संभव हुई।

जम्मू-कश्मीर विधानसभा में हंगामा: खामेनेई के पोस्टरों पर गरमाया माहौल, विधायकों के बीच धक्का-मुक्की

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर विधानसभा में शुक्रवार को कार्यवाही शुरू होने से पहले ही माहौल तनावपूर्ण हो गया। दरअसल पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और ईरान के पूर्व सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत के मुद्दे पर नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) और पीडीपी (पीडीपी) के विधायकों ने जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारी विधायक हाथों में खामेनेई के पोस्टर और तस्वीरें लेकर सदन में पहुंचे और उनके समर्थन में नारेबाजी की। इसी बीच कुछ विधायकों के बीच धक्का-मुक्की भी हो गई, जिससे सदन की कार्यवाही वाधित हुई।

प्रदर्शन कर रहे विधायकों का कहना था कि किसी भी देश को दूसरे देश पर हमला करने का अधिकार नहीं है और इस घटना की अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर निंदा होनी चाहिए। नेशनल कॉन्फ्रेंस के विधायक तनवीर सादिक ने कहा कि उनकी पार्टी और जम्मू-कश्मीर सरकार ईरान के साथ खड़ी है। उन्होंने यह भी याद दिलाया कि मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला पहले भी इस तरह की घटनाओं की निंदा कर चुके हैं। गौरतलब है कि 28 फरवरी को इजराइल द्वारा ईरान पर किए गए हमले में खामेनेई की मौत की खबर सामने आई थी, जिसके बाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तनाव की स्थिति बनी हुई है। इसी मुद्दे को लेकर जम्मू-कश्मीर विधानसभा में

भी राजनीतिक तापमान बढ़ गया और इसका असर सदन की कार्यवाही पर साफ दिखाई दिया।

कांग्रेस और बीजेपी विधायकों के बीच झड़प

इस बीच, विधानसभा के भीतर एक अलग मुद्दे पर कांग्रेस और बीजेपी विधायकों के बीच तीखी झड़प हो गई। बताया गया कि कांग्रेस विधायक इरफान हाफिज द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ नारेबाजी की जा रही थी। इसके जवाब में बीजेपी विधायक युद्धवीर सेठी ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर टिप्पणी की, जिससे विवाद और बढ़ गया। देखते ही देखते बहस ने उग्र रूप ले लिया और दोनों पक्षों के विधायकों के बीच धक्का-मुक्की शुरू हो गई। स्थिति को बिगड़ता देख अन्य सदस्यों ने बीच-बचाव कर मामला शांत कराने की कोशिश की। हालांकि, हंगामा बढ़ने के कारण सदन की कार्यवाही कुछ समय के लिए स्थगित करनी पड़ी।

छोटी बच्ची ने भेंट किया खिलौना बुलडोजर हंसी नहीं रोक सके सीएम योगी

-बच्ची के साथ खिंचवाई तस्वीर, खूब पढ़ने की दी नसीहत, गौरखपुर दौरे पर हैं सीएम

गोरखपुर (एजेंसी)। यूपी सीएम योगी आदित्यनाथ गोरखपुर दौरे पर हैं। शुक्रवार सुबह गोरखनाथ मंदिर परिसर में भ्रमण के दौरान उन्हें कानपुर से आई एक छोटी बच्ची ने खिलौना बुलडोजर भेंट किया। ये नजारा देखकर वहां मौजूद सभी हंसने लगे। सीएम योगी भी अपनी हंसी नहीं रोक पाए। उन्होंने पहले तो बच्ची को पास बुलाया, फोटो खिंचवाई और फिर उसे खूब पढ़ाई करने की नसीहत दी। बाद में सीएम ने बच्ची को उसका खिलौना वापस कर दिया।

फिलहाल, इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। खुद सीएम योगी के ऑफिस की और से इसको शेयर किया है। इसमें लिखा है। यह नन्हा सा उपहार बड़े विश्वास का प्रतीक है, यह भरोसे की मासूम अभिव्यक्ति है...आज सुबह गोरखनाथ मंदिर में भ्रमण के दौरान सीएम को कानपुर की पांच साल की यशस्विनी ने बुलडोजर खिलौना भेंट किया। वीडियो को मिनटों में हजारों लोग ने देखा। बता दें इससे पहले सीएम योगी ने शुक्रवार को राम नवमी की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भगवान राम भारतीय चेतना के आदर्श का प्रतिनिधित्व करते हैं। उन्होंने एक्स पर कहा कि राम करुणा और कर्तव्य के बीच एक अद्भुत संतुलन का प्रतीक हैं। उन्होंने कहा कि धर्म, सत्य और मर्यादा के सर्वोच्च प्रतीक भगवान राम की जयंती पर सभी भक्तों और प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं।

बता दें गुरुवार को गोरखपुर में सीएम योगी ने अधिकारियों को निर्देश दिया था कि वे अवैध जमीन पर कब्जा करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करें और चेतावनी दी कि गरीबों को परेशान करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। सीएम ने जनता दर्शन में 200 लोगों से मुलाकात की, उनके आवेदन लिए और उन्हें भरोसा दिलाया कि सरकार उनकी शिकायतों को दूर करने के लिए प्रभावी कार्रवाई करेगी। योगी ने संबंधित प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों को आवेदन भेजे, और उन्हें निर्देश दिया कि वे समय पर और संतोषजनक ढंग से उनका निपटारा करें।

अमेरिका में फिर बढ़ने लगे कोरोना के मामले... भारत में क्या स्थिति

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली (ईएमएस)। अमेरिका में फिर कोरोना के मामलों में अचानक बढ़ोतरी ने चिंता पैदा कर दी है। नई रिपोर्ट्स के मुताबिक, वायरस का एक नया बीए.3.2 वेरिएंट सामने आया है। सीडीसी के अनुसार, 11 फरवरी तक बीए.3.2 वेरिएंट 23 देशों में मिला है। एक्सपर्ट का कहना है कि यह वेरिएंट इम्यून सिस्टम को आंशिक रूप से चकमा देने की क्षमता रखता है, जिससे दोबारा इंफेक्शन का खतरा बढ़ सकता है। हालांकि डॉक्टरों का मानना है कि मौजूदा स्थिति पहले जैसी गंभीर नहीं है। पिछले कुछ सालों में बड़ी संख्या में लोग वैक्सीन ले चुके हैं या इंफेक्शन से गुजर चुके हैं, जिससे लोगों में हाइब्रिड इम्यूनिटी विकसित हो चुकी है। इसकारण भले ही इंफेक्शन बढ़े, लेकिन गंभीर मामलों की संभावना पहले की तुलना में कम हो सकती है।

अब सवाल उठता है कि क्या इसका असर भारत पर भी पड़ सकता है? एक्सपर्ट्स के मुताबिक, कोरोना वायरस अब पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है, बल्कि यह एक एंडेमिक वायरस बन चुका है, यानी समय-समय पर इसके केस बढ़ते-घटते रहने वाले है। हालांकि, एक्सपर्ट का कहना है कि सिर्फ नए वेरिएंट के आने का मतलब यह नहीं है कि फिर से महामारी जैसी स्थिति बनेगी।

जानकार डॉक्टर ने बताया कि कोरोना वायरस अब एक एंडेमिक बीमारी बन चुका है, यानी यह पूरी तरह खत्म नहीं होगा बल्कि समय-समय पर नए रूप में आता रहेगा। डॉक्टर का कहना है कि नए वेरिएंट की वजह से इंफेक्शन के मामले बढ़ सकते हैं। लेकिन ज्यादातर मामलों में लक्षण हल्के से मध्यम रह सकते हैं, जैसे बुखार, खांसी और थकान। कुछ लोगों को ज्यादा सावधान रहने की जरूरत है।

एक्सपर्ट का मानना है कि घबराने की जरूरत नहीं है, लेकिन सतर्क रहना जरूरी है। हेल्थ सिस्टम अब पहले से ज्यादा तैयार है और टेस्टिंग, इलाज और वैक्सीनेशन के बेहतर इंतजाम मौजूद हैं। इसके बावजूद, निगरानी बनाए रखना बेहद जरूरी है, ताकि किसी भी संभावित खतरे को समय रहते रोका जा सके।

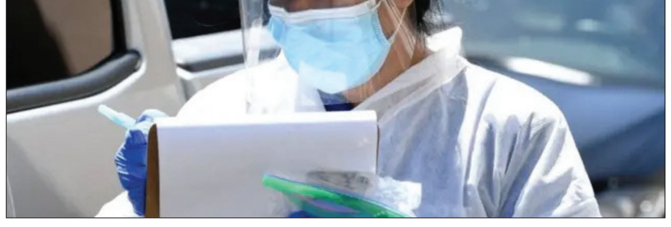

मलयालम को ताकतवर बनाने का श्रेय लेने की होड़

उमेश चतुर्वेदी

भाषायी अस्मिता के लिहाज से देखें तो केरल का यह कदम बेहद क्रांतिकारी और भारतीय भाषाओं के हित में है। लेकिन कर्नाटक की आपत्तियों को भी अनदेखा नहीं किया जाना चाहिए। यहां ध्यान दिया जाना चाहिए कि केरल के कासरगोड जिले में मलयालम की बजाय कन्नड़ भाषी लोग ज्यादा है।

केरलम् में विधानसभा चुनावों के बीच मलयालम को राज्य की आधिकारिक भाषा का दर्जा मिलने का श्रेय लेने का सियासी खेल बढ़ता जा रहा है। राज्य का नाम केरलम् किया जाना और इसके हफ्तेभर बाद ही मलयालम को आधिकारिक भाषा की मंजूरी मिलना कुछ लोगों की नजर में भले ही संयोग हो, लेकिन ऐसा नहीं है। राज्य में विधानसभा चुनाव की रणभेरी बजने की औपचारिकता भर बाकी है। इस संदर्भ में राजनीतिक दलों द्वारा इन दोनों कदमों का श्रेय लेने की होड़ मचना स्वाभाविक है। लेकिन भाषा विधेयक को लेकर केरल की सीमाओं के बाहर सवाल भी उठने शुरू हो गए हैं। इसमें दो राय नहीं कि गैर हिंदीभाषी इलाके अपनी भाषाओं और सांस्कृतिक परंपराओं को अपनी अस्मिता से जोड़कर देखते हैं। हिंदीभाषी राज्यों में अपनी हिंदी या स्थानीय भाषाओं को लेकर ऐसी सोच नहीं दिखती।

मलयालम को केरलम् की आधिकारिक भाषा बनाने की मांग बहुत पुरानी है। इस दिशा में पहला प्रयास करीब दस साल पहले कांग्रेस की अगुआई वाली संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा यानी यूडीएफ की सरकार ने किया था। 2015 में ओमन चांडी सरकार ने इस विधेयक को पारित कराया था। लेकिन तब इस विधेयक पर पड़ोसी कर्नाटक सरकार ने कड़ा एतराज जताया था। जब इस विधेयक को मंजूरी के लिए राष्ट्रपति के पास भेजा गया तो राष्ट्रपति ने इसे 1963 के ऑफिशियल भाषा एक्ट के नियमों को हटाकर जमा करने के सुझाव के साथ वापस भेज दिया था। फिर दस साल बाद मौजूदा वाममोर्चा की सरकार ने इसे नए रूप में पारित किया। इस बार भी कर्नाटक इस कानून का विरोध कर रहा है।

अब तक केरल में अंग्रेजी के साथ ही मलयालम को आधिकारिक भाषा के तौर पर प्रतिष्ठा रही है। लेकिन नए कानून के तहत सरकारी और सरकारी अनुदान प्राप्त स्कूलों में कक्षा 10 तक मलयालम को पहली भाषा के तौर पर अनिवार्य रूप से पढ़ाना जरूरी होगा। इसके साथ ही अदालती फैसलों और कार्यवाही भी अनिवार्य तौर पर मलयालम भाषा में अनूदित की जाएंगी। अब से राज्य विधानसभा में सभी बिल और अध्यादेश मलयालम में पेश किए जाएंगे। इसके साथ ही, अंग्रेजी में प्रकाशित महत्वपूर्ण केंद्रीय और राज्य कानूनों का भी मलयालम में अनुवाद होगा। नए कानून के तहत सूचना तकनीकी विभाग को मलयालम के प्रभावी इस्तेमाल के लिए ओपन सोर्स सॉफ्टवेयर और इंस्ट्रूमेंट विकसित करने की जिम्मेदारी दी जा रही है। राज्य सचिवालय में मौजूदा पर्सनल एंड एडमिनिस्ट्रेटिव रिफॉर्म्स (ऑफिशियल

लैंग्वेज) विभाग का नाम बदलकर मलयालम भाषा विकास विभाग किया जा राह है। इन कदमों के साथ ही राज्य में मलयालम भाषा विकास निदेशालय भी गठित किया जाएगा। भाषायी अस्मिता के लिहाज से देखें तो केरल का यह कदम बेहद क्रांतिकारी और भारतीय भाषाओं के हित में है। लेकिन कर्नाटक की आपत्तियों को भी अनदेखा नहीं किया जाना चाहिए। यहां ध्यान दिया जाना चाहिए कि केरल के कासरगोड जिले में मलयालम की बजाय कन्नड़ भाषी लोग ज्यादा है। राज्य मे इसी तरह तमिल, तुलु, गुजराती और कोंकणीभाषी लोग भी हैं। उनकी अपनी भाषाओं में पढ़ाई वाले स्कूल भी हैं। हालांकि मलयालम भाषा कानून का विरोध तमिल मूल के लोगों ने तो नहीं किया है, लेकिन कर्नाटक के तर्कों में उनकी भी बातें एक तरह शामिल हैं।

कर्नाटक सरकार का तर्क है कि यह कानून केरल में रहने वाले कन्नड़ भाषी अल्पसंख्यकों की भाषाई अस्मिता के लिए खतरा है। यह कानून, कर्नाटक भाषियों के अधिकारों का उल्लंघन है। कर्नाटक सीमा क्षेत्र विकास प्राधिकरण का तर्क है है कि कासरगोड और केरल के दूसरे कन्नड़ भाषी क्षेत्रों में भाषाई अल्पसंख्यक छात्र अभी स्कूलों में कन्नड़ को पहली भाषा के तौर पर पढ़ते हैं। केरल में स्कूलों में हिंदी भी पढ़ाई जाती रही है। इसलिए माना जाता है कि केरल में हिंदीविरोधी माहौल नहीं है। लेकिन दिलचस्प यह है कि केरल के विद्वान भी इस कानून के पक्ष में तर्क देते वक्त केंद्र सरकार पर केरल में हिंदी थोपने का आरोप लगाने से नहीं हिचक रहे। दिलचस्प यह है कि ऐसा ही आरोप कर्नाटक की ओर से लगाया जा रहा है, बस वहां हिंदी की जगह मलयालम को थोपे जाने की बात हो रही है।

केरल सरकार ने हालांकि सफाई दी है कि जिनकी मातृभाषा तमिल, कन्नड़, तुलु या कोंकणी है, उनके लिए भी कानून में प्रावधान हैं। इस कानून में इस बात की चर्चा है कि राज्य के भाषायी अल्पसंख्यक अपनी भाषा में राज्य सचिवालय, विभागों और स्थानीय सरकारी कार्यालयों से पत्राचार कर सकेंगे। इसके साथ ही, मलयालम के अलावा दूसरी मातृभाषा वाले छात्रों को नेशनल एजुकेशन प्रोग्राम में शामिल भाषाओं में पढ़ाई कर सकेंगे। इसी तरह दूसरे राज्यों या विदेश से आने वाले छात्रों को नौंवी, दसवीं और हायर सेकेंडरी स्तर पर मलयालम की परीक्षा देने से छूट मिलेगी।

मलयालम को आधिकारिक भाषा बनाने का स्थानीय नागरिक स्वागत तो कर रहे हैं, लेकिन कुछ लोगों का मानना है कि इस कानून के नाम से ही अलगाववादी और वर्चस्ववादी झलक मिलती है।, केरल के बौद्धिकों के एक वर्ग का कहना है कि बेहतर होता है कि इस कानून का नाम 'मलयालम भाषा एक्ट 2025' की जगह 'केरल स्टेट लैंग्वेज एक्ट 2025' होता। इससे समावेशी संदेश जाता। यहां के बौद्धिकों का तर्क है कि इस विधेयक में मलयालम की जगह बेहतर होता कि राज्य में प्रयोग में लाई जाने वाली तमिल,कन्नड़, कोंकणी, तुलु और गुजराती का भी जिक्र होता। केरल में जंगलों और दूरदराज के इलाकों में रहने वाले लोगों की अपनी भाषाएं भी हैं। वे मलयालम का इस्तेमाल कम करते हैं। इसलिए एक वर्ग का मानना है कि उनकी भाषाओं की अस्मिता की रक्षा का बोध भी इस कानून में होना चाहिए था।

बेशक केरल के विधानसभा चुनाव में मलयालम को आधिकारिक दर्जा मिलना बड़ा मुद्दा होगा। राज्य की राजनीति में प्रभावी दखल देने की ताक में बैठी भाजपा, कांग्रेस और वाममोर्चा, सभी इसका श्रेय लेने की कोशिश करेंगे। लेकिन यहां के बौद्धिक समाज की चिंता है कि इस विधेयक से राज्य में एक भाषा के वर्चस्व का भाव पैदा हो सकता है। ऐसा लगता है कि जिन लोगों की भाषा मलयालम नहीं है, उनकी प्रशासनिक और शासन से जुड़ी चिंताओं को अंग्रेजी के जरिए हल किया जा सकता है। लेकिन केरल के बौद्धिक मानते हैं कि राज्य के बहुसंख्यक समुदाय की भाषा से इतर वाले लोगों की समस्याओं का समाधान अंग्रेजी के जरिए नहीं हो सकते। इसलिए भाषा विकास विभाग और निदेशालय को सिर्फ. मलयालम भाषा तक सीमित नहीं रहना होगा, बल्कि केरल की सभी भाषाओं के लिए होना होगा। केरल में मांग उठ रही है कि वहां के सिविल सर्विस सुधार विभाग को मलयालम भाषा विकास विभाग के रूप में बदल दिया जाना चाहिए। कानून में इस विभाग के पुनर्गठन और मलयालम भाषा व कास निदेशालय बनाने का प्रावधान है। यहां के भाषाशास्त्री इसे स्वागत योग्य कदम बता तो रहे हैं। लेकिन, इसमें मलयालम के साथ दूसरी भाषा समूहों का भी प्रतिनिधित्व देने का सुझाव दे रहे हैं। इसमें दो राय नहीं कि भाषा का काम जोड़ना है, तोड़ना नहीं। शायद यही वजह है कि मलयालम भाषा कानून के स्वागत के साथ ही दूसरी भाषाओं को तवज्जो देने की मांग हो रही है।

मातृभाषा से इतर समूहों से आने वाले लोग किसी भी भाषा को अवसरों और जरूरत के लिहाज से सीखते हैं। सीखने की इस प्रक्रिया में मजबूरी की बजाय उत्साह जुड़ जाता है तो भाषाएं समृद्ध होती हैं और वे सौहार्द का प्रतीक बनती हैं। आधिकारिक भाषा बनने के बाद मलयालम भी उसी तरह उम्मीद की भाषा बने, शायद यही केरल के बौद्धिक चाहते हैं। मलयालमभाषियों की इस सोच से हिंदीभाषी विद्वानों, राजनेताओं और प्रशासनिक तंत्र को प्रेरित होना चाहिए।

संपादकीय

सीमा-कर पर टकराव

सही मायनों में पंजाब तथा हिमाचल प्रदेश में सीमा प्रवेश शुल्क को लेकर जारी विवाद ने देश के संघीय ढांचे में व्याप्त एक गहरी खामी को ही उजागर किया है। जो बताता है कि देश के राज्यों की राजस्व जरूरतों तथा अंतर्राज्यीय आवागमन के सिद्धांतों के बीच टकराव के कारण मौजूद हैं। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि हिमाचल प्रदेश फिलहाल वित्तीय संकट की चुनौती से रूबरू है। उसने अपने वित्तीय संसाधन बढ़ाने के लिये दूसरे राज्यों से आने वाले वाहनों पर राज्य में प्रवेश करने का शुल्क लगभग दोगुना करने का निर्णय लिया है। हालांकि, हिमाचल प्रदेश ने यह फैसला अपने आय के स्रोतों को बढ़ाने के लिए लिया था। लेकिन यह वित्तीय फैसला बाद में हिमाचल प्रदेश व पंजाब में राजनीतिक व आर्थिक विवाद का रूप ले चुका है। यही वजह है इस फैसले से ज्यादा प्रभावित राज्य पंजाब ने भी हिमाचल प्रदेश के वाहनों पर ऐसे ही कर बढ़ाने की धमकी दे दी है। वास्तव में हिमाचल सरकार का यह फैसला दूरगामी दृष्टिकोण को नहीं दशार्ता है। यह सर्वविदित है कि हिमाचल प्रदेश की अर्थव्यवस्था बहुत अधिक हद तक पर्यटन उद्योग पर ही निर्भर है। ऐसे में इस कदम का राज्य के पर्यटन उद्योग पर नकारात्मक असर भी पड़ सकता है। यह बढ़ाया गया प्रवेश शुल्क पर्यटकों पर अतिरिक्त बोझ डाल सकता है। खासकर पड़ोसी राज्य पंजाब से आने वाले कम बजट के साथ यात्रा पर निकले पर्यटकों के लिये, जो कि सप्ताहांत में आने वाले पर्यटकों का एक बड़ा हिस्सा है। निस्संदेह, इस फैसले से ऐसे पर्यटक हतोत्साहित हो सकते हैं। इस समस्या का एक पहलू यह भी है कि मौजूदा प्रतिस्पर्धी पर्यटन के परिदृश्य में टैक्स बढ़ाए जाने पर पर्यटक वैकल्पिक पहाड़ी पर्यटक स्थलों की ओर रुख कर सकते हैं। राज्य द्वारा बाद में इस कर-वृद्धि के फैसले की समीक्षा करने का निर्णय लेना, निश्चित रूप से इस मुद्दे की आर्थिक संवेदनशीलता को ही दशार्ता है। यह भी एक हकीकत है कि दो राज्यों के बीच लिए गए कर बढ़ाने के ऐसे फैसलों पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत होनी चाहिए। यह जानते हुए कि हिमाचल प्रदेश गंभीर आर्थिक चुनौती का सामना कर रहा है, पंजाब की प्रतिक्रिया संवेदनशील ढंग से सामने आनी चाहिए थी। ऐसे में पंजाब की हिमाचल की तर्ज पर कर बढ़ाने की चेतावनी प्रतिशोधात्मक नीति पर चलने के अप्रिय फैसले को ही उजागर करती है। इस तरह की बदले में कर लगाने की नीति राजनीतिक दृष्टि से भले ही सुविधाजनक लगती हो, लेकिन आम लोगों को इसका खमियाजा भुगतना पड़ता है। ऐसे निर्णय से दैनिक यात्रियों, परिवहन उद्योग से जुड़े लोगों और छोटे व्यवसायियों की आवाजाही बाधित हो सकती है। इनकी यात्रा की सुगमता सीमा पार सुचारू आवागमन पर निर्भर करती है।

चिंतन-मनन

हनुमान से सीखें संस्कार

दूसरे का मान रखते हुए हम सम्मान अर्जित कर लें, इसमें गहरी समझ की जरूरत है। होता यह है कि जब हम अपनी सफलता, सम्मान या प्रतिष्ठा की यात्रा पर होते हैं, उस समय हम इसके बीच में आने वाले हर व्यक्ति को अपना शत्रु ही मानते हैं। महत्वाकांक्षा पूरी करने के लिए मनुष्य सारे संबंध दांव पर लगा देता है। आज के युग में महत्वाकांक्षी व्यक्ति का न कोई मित्र होता है, न कोई शत्रु। उसे तो सिर्फ अपनी महत्वाकांक्षा की पूर्ति करनी होती है। हर संबंध उसके लिए शस्त्र की तरह हैं। लेकिन कुछ लोग ऐसे होते हैं, जो दूसरे की भावनाओं, रिश्ते की गरिमा और सबके मान-सम्मान को ध्यान में रखकर अपनी यात्रा पर चलते हैं। हनुमानजी उनमें से एक हैं। सुंदरकांड में एक प्रसंग है। हनुमानजी और मेघनाद का युद्ध हो रहा था। मेघनाद बार-बार हनुमानजी पर प्रहार कर रहा था, लेकिन उसका नियंत्रण बन नहीं रहा था। तब उसने हनुमानजी पर ब्रह्मास्त्र का प्रहार किया। हनुमानजी को भी वरदान था कि वह किसी अस्त्र-शस्त्र से पराजित नहीं होंगे। उनका नाम बजरंगी इसीलिए है कि वे वज्रांग हैं। जिसे कह सकते हैं स्टील बॉडी।

जैसे ही शस्त्र चला, हनुमानजी ने विचार किया और तुलसीदासजी ने लिखा-

ब्रह्मास्त्र तेहि सांधा कपि मन कीन्ह बिचार।
जौं न ब्रह्मसर मानउं महिमा मिटइ अपार।।

अंत में उसने ब्रह्मास्त्र का प्रयोग किया, तब हनुमानजी ने मन में विचार किया कि यदि ब्रह्मास्त्र को नहीं मानता हूं तो उसकी अपार महिमा मिट जाएगी। यहां हनुमानजी ने अपने पराप्रम का ध्यान न रखते हुए, ब्रह्मजी के मान को टिकाया। दूसरों का सम्मान बचाते हुए अपना कार्य करना कोई हनुमानजी से सीखें।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

समाज के लिए खतरा हैं धर्म के चोले में पनपते कालनेमी

मनोज कुमार अग्रवाल

यह कैसी बिडम्बना है कि इक्कीसवीं सदी में पहुंच कर भी भारतीय समाज का एक बड़ा हिस्सा आज भी टोना टोटका डायन भूत प्रेत और बाबाओं के चमत्कार पर भरोसा रखता है इतना ही नहीं ये संत के चोले में छिपे शैतान न सिर्फ अरबों करोड़ों की संपत्ति इकठ्ठा कर रहे हैं वरन हर तरह की पोपलीला भी टकर रहे हैं धर्म की आड़ में आर्थिक दैहिक शोषण बलात्कार, हत्या, ब्लैकमेलिंग करने जैसे गंभीर अपराधों को अंजाम देने वाले ढोंगी बाबाओं की सूची में अब एक नया नाम नासिक के अशोक खरात का जुड़ गया है। अशोक खरात की कहानी भी राम रहीम और आसाराम जैसे लोगों से अलग नहीं है। धर्म के नाम पर अपनी निजी जीवन की परेशानियों के निराकरण के लिए बाबा पर भरोसा कर आए लोगों को वाकजाल में फंसाना, उनसे धन ऐंठना और महिलाओं का यौन शोषण करना धंधा बन गया है । अब सामने आया है कि लम्बे समय से ये अपराध होते रहें और ढोंगी व्यक्ति खुद को भगवान बताकर चमत्कार दिखाता रहे तो यह न स्वस्थ समाज की पहचान है, न स्वस्थ राजनीति और प्रशासन की। क्योंकि ताकतवर लोगों के प्रोत्साहन के बिना ठगी और अपराध की ऐसी दुकानें चल ही नहीं सकतीं। हो सकता है कि अभी पुलिस हिरासत में आए इस अपराधी को कुछ वक्त तक सलाखों के पीछे ही रहना पड़े, लेकिन इस समय ज्यादा चिंता की बात यह है कि समाज जिस तरह चमत्कारों, अंधविश्वासों और अतार्किक प्रथाओं की सलाखों में कैद है, उससे वह कब आजाद हो पाएगा।

कितनी बड़ी विडंबना है कि जिस महाराष्ट्र में संत तुकाराम संत नामदेव महात्मा ज्योतिबा फुले, सावित्रीबाई फुले, जैसे महापुरुषों की कतार दी, वहां अशोक खरात लोगों को अंधविश्वास की आग फैलाने का मौका मिला। नरेन्द्र दाभोलकर जैसे लोग अंधश्रद्धा के खिलाफ आवाज उठाएं तो उनकी हत्या कर दी जाए और अशोक खरात जैसे लोग अंधश्रद्धा के बूते खुद को गॉडमैन कहलवाएं। यह बेहद हैरत की बात है क्योंकि सरकारें भी ऐसी बातों पर तभी एक्शन लेती है जब बात बहुत आगे बढ़ जाती है। यूं तो देश का राजनीतिक दल इस किस्म के बाबाओं से खुद को दूर रखा है, हर दल में ऐसे नेता मिल जाएंगे, जो ढोंगी चोगों को बढ़ावा देते रहे हैं। लेकिन पिछले कुछ सालों में समस्या कुछ ज्यादा बढ़ चुकी है, यह मानने में कोई संकोच नहीं होना चाहिए।

आज जब राष्ट्रपति के गरिमामयी पद पर आसीन माननीय किसी संत के स्थान पर आकर कथित एकांतिक वातार्लाप के लिए समय दे रहीं हैं ऐसे समय में समाज संत और कालनेमी संत की पहचान कैसे करे? विचारणीय बात यह है कि भगवदभक्ति में लगे लोगों को भौतिक चकाचौंध की दरकार क्यों होनी चाहिए। लेकिन इस सवाल की परतें खोलें तो समझ आता है कि ऐसे लोगों को न भगवदभक्ति से मतलब है, न धर्म की रक्षा से, इन्हें तो अपने उन राजनैतिक और व्यापारी आकाओं की सेवा करनी है, जिनके काले धन को धर्म के धंधे से ये सफेद करते हैं। अशोक खरात का मामला भी कुछ ऐसा ही लगता है।

ताजा जानकारी के अनुसार नासिक में कथित ह्यफर्जी बाबाह्ल अशोक खरात के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए नरबलि और अंधश्रद्धा से जुड़े गंभीर आरोपों में मामला दर्ज किया है. नासिक पुलिस ने खरात के खिलाफ अब तक कुल 8 एफआईआर दर्ज की हैं, जिससे इस मामले की गंभीरता और बढ़ गई है. पुलिस ने आरोपी की लाइसेंसी रिवॉल्वर भी जब्त कर ली है और उसका लाइसेंस रद्द करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है. पुलिस के मुताबिक, ताजा एफआईआर उस व्यक्ति की शिकायत पर दर्ज की गई है, जिसके खिलाफ पहले अशोक खरात ने खुद मामला दर्ज कराया था. अब उसी व्यक्ति ने खरात पर संगीन आरोप लगाते हुए शिकायत दर्ज कराई है. शिकायत में दावा किया गया है कि 2018 से 2025 के बीच आरोपी ने जान से मारने की धमकी देकर शिकायतकर्ता से भारी आर्थिक ठगी की आरोप है कि फरवरी 2020 से मार्च 2026 के बीच आरोपी ने एक महिला को अपने ऑफिस बुलाया. तांबे की बोतल में 'मंत्रित पानी' पिलाया गया. इसके बाद धार्मिक अनुष्ठान के नाम पर बार-बार शारीरिक संबंध बनाए. जब पीड़िता गर्भवती हुई तो बाद में गर्भपात के लिए दबाव डाला गया. मना करने पर जान और बच्चे को खतरे की धमकी दी गई. इस प्राथमिक रिपोर्ट में आरोप है कि 'दिव्य औषधि' के नाम पर महिला का मानसिक और शारीरिक शोषण किया गया.

स्वयंभू चमत्कारी बाबा यह शख्स अब महिलाओं के साथ शारीरिक शोषण, ब्लैकमेलिंग और करोड़ों की बेनामी संपत्ति बनाने के आरोपों में घिरा हुआ है। दरअसल 29 दिसंबर 2025 को अशोक खरात खुद वावी पुलिस स्टेशन पहुंचा और उसने शिकायत दर्ज कराई कि कुछ लोग उसके आपत्तिजनक फोटो और वीडियो के जरिए उसे ब्लैकमेल कर रहे हैं। शुरूआत में मामला ब्लैकमेलिंग का लगा, लेकिन जब पुलिस ने जांच शुरू की तो मोबाइल डेटा और साइबर जांच में कोई ठोस सबूत नहीं मिला। जिन लोगों पर आरोप लगाए गए थे, उन्हें भी अदालत से राहत मिल गई। यहीं से पुलिस को शक हुआ कि मामला कुछ और ही है। करीब डेढ़ महीने बाद 18 फरवरी 2026 को शिर्डी से एक और शिकायत सामने आई। एक महिला ने आरोप लगाया कि उसे एआई से तैयार अश्लील फोटो भेजकर धमकाया गया। इसी दौरान एक अहम गवाह सामने आया, जिसने पुलिस को कुछ ऐसे वीडियो दिखाए जिनमें कई महिलाओं के साथ अशोक खरात की आपत्तिजनक हरकतें नजर आई। आरोप है कि वह महिलाओं को धार्मिक झांसा देकर अपने जाल में फंसाता था और फिर उनका शोषण करता था। गवाह पहले डरा हुआ था, लेकिन पुलिस की सुरक्षा मिलने के बाद उसने ये सबूत सौंप दिए। मामला आगे बढ़ा तो 10 मार्च 2026 को अशोक खरात के खिलाफ लुकआउट सर्कुलर जारी किया गया और एयरपोर्ट पर उसे रोक दिया गया। फिर फड़नवीस सरकार ने 13 मार्च को एसआईटी गठित की और लगातार नए खुलासे सामने आने लगे। 17 मार्च को सरकारवाड़ा पुलिस स्टेशन में एक महिला ने बताया कि अशोक खरात ने खुद को दैवी शक्तियों वाला बताकर उसे अनुष्ठान के नाम पर अपने ऑफिस बुलाया। वहां उसे नशीला पदार्थ देकर बेहोश किया गया और उसके साथ कई बार दुष्कर्म किया गया। इस शिकायत के बाद पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद उसके ठिकानों पर छापेमारी की गई, जहां से कई अहम सबूत मिले। आरोपी के पास से लाखों रुपये नकद, लैपटॉप, डिजिटल रिकॉर्डिंग डिवाइस और हथियार तक बरामद किए गए हैं।

जलवायु परिवर्तन: भविष्य नहीं, वर्तमान का महाविनाशकारी संकट

ललित गर्ग

आज मानव सभ्यता जिस सबसे बड़े संकट के सामने खड़ी है, वह युद्ध, महामारी या आर्थिक मंदी नहीं, बल्कि जलवायु परिवर्तन है। दुनिया आज जलवायु संकट के ऐसे मोड़ पर खड़ी है, जहां हर नया आंकड़ा खतरे की घंटी बनकर सामने आ रहा है। विश्व मौसम विज्ञान संगठन की ताजा रिपोर्ट स्पष्ट करती है कि 2015-2025 का दशक अब तक का सबसे गर्म दौर रहा है। यह केवल एक सांख्यिकीय तथ्य नहीं, बल्कि पृथ्वी के बदलते स्वभाव का गंभीर संकेत है। रिपोर्ट बताती है कि ग्रीनहाउस गैसों का स्तर रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच चुका है और पृथ्वी का एनर्जी इम्बैलेंस लगातार बढ़ रहा है। महासागर, जो जलवायु संतुलन के सबसे बड़े नियंत्रक माने जाते हैं, अब 90 प्रतिशत से अधिक अतिरिक्त गर्मी सोख रहे हैं। इसका सीधा अर्थ है कि पृथ्वी का तापमान केवल हवा में ही नहीं, जल और भूमि के भीतर भी बढ़ रहा है। जलवायु परिवर्तन अब धीरे-धीरे आने वाली समस्या नहीं रही, बल्कि यह वर्तमान का संकट बन चुका है। दुनिया के अनेक हिस्सों में असामान्य गर्मी, बाढ़, सूखा, चक्रवात और जंगल की आग जैसी घटनाएं तेजी से बढ़ रही हैं। प्रति का संतुलन बिगड़ रहा है और मौसम का मिजाज अनिश्चित होता जा रहा है। कहीं अत्यधिक वर्षा से बाढ़ आ रही है तो कहीं महीनों तक बारिश नहीं हो रही। यह असंतुलन सीधे-सीधे मानव जीवन, कृषि, जल संसाधनों और अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर रहा है। इस बदलते मौसम ने सबसे ज्यादा मनुष्य के स्वास्थ्य पर हमला किया है।

भारत के संदर्भ में यह संकट और भी गंभीर रूप लेता जा रहा है। पिछले कुछ वर्षों में भारत के अनेक शहरों में तापमान 48 से 50 डिग्री तक पहुंच गया, जबकि पहले 45 डिग्री को ही अत्यधिक गर्मी माना जाता था। अब असामान्य गर्मी ने फरवरी और मार्च जैसे महीनों को भी झुलसाना शुरू कर दिया है। हीटवेव की आवृत्ति और तीव्रता दोनों बढ़ रही हैं। इसका असर केवल स्वास्थ्य पर नहीं, बल्कि बिजली, पानी, खेती, श्रम, स्वास्थ्य और अर्थव्यवस्था पर भी पड़ रहा है। बढ़ती गर्मी ने केवल मानव जीवन ही नहीं, बल्कि वन्यजीव, पेड़-पौधे और सम्पूर्ण पारिस्थितिकी तंत्र को भी संकट में डाल दिया है। जलवायु परिवर्तन के पीछे सबसे बड़ा कारण मानव का विकास मॉडल है। कोयला, तेल और गैस जैसे जीवाश्म ईंधनों का अत्यधिक उपयोग, वनों की कटाई, अनियोजित शहरीकरण, औद्योगीकरण और संसाधनों का अंधाधुंध दोहन पृथ्वी को लगातार गर्म कर रहा है। आज वैश्विक तापमान लगभग एक लाख 25 हजार वर्षों के उच्चतम स्तर के आसपास पहुंच चुका है। यह स्थिति बताती है कि समस्या प्रकृति में नहीं, बल्कि मानव की जीवनशैली और विकास की दिशा में है।

वर्तमान वैश्विक परिस्थितियां इस संकट को और अधिक खतरनाक बना रही हैं। दुनिया के अनेक हिस्सों में युद्ध की स्थितियां बनी हुई हैं। युद्ध केवल मानव जीवन और अर्थव्यवस्था को ही नष्ट नहीं करते, बल्कि पर्यावरण को भी गहरा नुकसान पहुंचाते हैं। युद्ध में इस्तेमाल होने वाले विस्फोटक, रसायन, धातु, ईंधन और आग से वातावरण में भारी मात्रा में जहरीली गैसें फैलती हैं। तेल भंडारों में आग, रासायनिक संयंत्रों का नष्ट होना और सैन्य गतिविधियां वातावरण में कार्बन उत्सर्जन को कई गुना बढ़ा देती हैं। इस प्रकार युद्ध और जलवायु परिवर्तन मिलकर पृथ्वी को दोहरे संकट की ओर धकेल रहे हैं। भारत सहित दुनिया के लगभग 75 प्रतिशत जिले किसी न किसी जलवायु जोखिम के दायरे में आ चुके हैं। हिमालय के ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं, जिससे गंगा, ब्रह्मपुत्र और सिंधु जैसी नदियों के भविष्य पर प्रश्नचिह्न लग रहा है। दूसरी ओर समुद्र का जलस्तर बढ़ने से मुंबई, कोलकाता और चेन्नई जैसे तटीय शहरों पर खतरा मंडरा रहा है। यदि समुद्र स्तर इसी गति से बढ़ता रहा तो आने वाले दशकों में तटीय आबादी का बड़े पैमाने पर विस्थापन हो सकता है। यह केवल पर्यावरण संकट नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक संकट भी बन सकता है।

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए यह स्पष्ट है कि यदि ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन में तेजी से कटौती नहीं की गई, तो तापमान के नए-नए रिकॉर्ड टूटते रहेंगे और पृथ्वी रहने योग्य स्थान कम होती जाएगी। जल संकट, खाद्य संकट, स्वास्थ्य संकट और प्रवासन जैसी समस्याएं बढ़ेंगी। दुनिया के अनेक वैज्ञानिक अब चेतावनी दे रहे हैं कि यदि तापमान वृद्धि को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित नहीं किया गया, तो पृथ्वी का पारिस्थितिक संतुलन गंभीर रूप से बिगड़ सकता है। लेकिन इस संकट में ही अवसर भी छिपा हुआ है। यह समय विकास मॉडल को बदलने का है। ऊर्जा के क्षेत्र में नवीकरणीय ऊर्जा, जैसे सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा और जल ऊर्जा को बढ़ावा देना होगा। शहरों को कंक्रीट के जंगल बनाने के बजाय हरित शहर बनाना होगा। जल प्रबंधन को जन आंदोलन बनाना होगा। वर्षा जल संचयन, जल पुनर्चक्रण और नदियों के संरक्षण पर गंभीरता से काम करना होगा। कृषि को जलवायु अनुकूल बनाना होगा, कम पानी वाली फसलों और प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देना होगा। साथ ही जिला स्तर पर हीट एक्शन प्लान, जल संरक्षण योजना, वृक्षारोपण अभियान और स्थानीय पर्यावरण संरक्षण कार्यक्रम लागू करने होंगे। जलवायु परिवर्तन से लड़ाई केवल सरकारें नहीं जीत सकतीं, इसके लिए समाज, उद्योग, वैज्ञानिक और आम नागरिक सभी को मिलकर काम करना होगा।

दुनिया की महाशक्तियों के लिए यह समय सबसे बड़ी परीक्षा का समय है। यदि वे केवल आर्थिक विकास और सैन्य शक्ति की दौड़ में ही उलझी रहीं और पृथ्वी के भविष्य की चिंता नहीं की, तो आने वाली पीढ़ियां उन्हें कभी माफ नहीं करेंगी। उन्हें यह समझना होगा कि पृथ्वी बचेगी तो अर्थव्यवस्था भी बचेगी, मानव सभ्यता भी बचेगी और विकास भी बचेगा। यदि पृथ्वी ही तपती और असंतुलित हो गई, तो सारी प्रगति बेकार हो जाएगी। आज आवश्यकता है कि दुनिया की महाशक्तियां कार्बन उत्सर्जन कम करने के लिए कठोर और बाध्यकारी नीतियां बनाएं, जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता कम करें, वनों की कटाई रोकें और हरित प्रौद्योगिकी को बढ़ावा दें। अन्यथा वह दिन दूर नहीं जब पृथ्वी का तापमान इतना बढ़ जाएगा कि अनेक क्षेत्र रहने योग्य नहीं रहेंगे। निश्चित तौर पर जलवायु परिवर्तन अब भविष्य की चुनौती नहीं, वर्तमान का संकट है। यदि आज निर्णायक कदम नहीं उठाए गए, तो आने वाली पीढ़ियों को एक असंतुलित और तपती हुई पृथ्वी विरासत में मिलेगी। यह तपती हुई पृथ्वी मानव जीवन के लिए विनाश का कारण भी बन सकती है। लेकिन यदि दुनिया समय रहते चेत गई, तो यही संकट एक नए, संतुलित और टिकाऊ विकास मॉडल की शुरूआत भी बन सकता है। पृथ्वी को बचाना अब विकल्प नहीं, मानव अस्तित्व की अनिवार्यता बन चुका है।

(खक, पत्रकार, स्तंभकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

29 मार्च को त्रिवेणी चीनी मिल चन्दनपुर के पेराई सत्र का होगा समापन

गन्ना किसानों से अपील समय से कर दें अपने अवशेष गन्ने की आपूर्ति

रहरा/अमरोहा (सब का सपना):- त्रिवेणी शुगर मिल चन्दनपुर की पेराई क्षमता 70000 कुं0 प्रतिदिन की है जिसके सापेक्ष चीनी मिल को प्रतिदिन 10-15 हजार कुं० गन्ना ही उपलब्ध हो पा रहा है। वर्तमान में मात्र 21 क्रयकेन्द्र संचालित रह गये हैं। मिल गेट एवं सभी क्रयकेन्द्रों पर प्रतिबन्धित खुली खरीद की जा रही है। त्रिवेणी चीनी मिल चन्दनपुर के पेराई सत्र 2025-26 के लिये कृषकों का समस्त आपूर्ति योग्य गन्ना खरीद कर 29 मार्च को गन्ना पेराई करके अन्तिम रूप से बन्द हो जायेगी। इसलिये जिन कृषक भाईयों के पास आपूर्ति योग्य गन्ना अवशेष बचा है, वह 29मार्च को सांय 7 बजे तक आपूर्ति कर दें। चीनी मिल द्वारा प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय बन्दी की सूचना विभाग को भेजी जा चुकी है तथा मिल बन्दी के सम्बन्ध में चीनी मिल क्षेत्र में सभी किसानों को प्रचार-प्रसार कर सूचित किया जा रहा है।

चीनी मिल का पेराई सत्र 01 नवंबर 2015 को आरम्भ हुआ था तथा चीनी मिल गत पेराई सत्र 2024-25 में 84.76 लाख कुं० गन्ना पेराई की थी परन्तु वर्तमान पेराई सत्र 2025-26 में गन्ने में रोग, बाढ़ आदि के कारण गन्ने की कमी के चलते 82.98 लाख कुं० ही पेराई कर पाई है।

चीनी मिल के उपाध्यक्ष (शुगर) आमोद कुमार शर्मा द्वारा बताया गया कि 16 मार्च तक खरीदे गये समस्त गन्ने का भुगतान बैंकों में भेज दिया गया है तथा अवशेष भुगतान भी मिल बन्दी के उपरान्त समय से भेज दिया जायेगा ।

साथ ही कृषक भाईयों से अपील की गई है कि वर्तमान में चल रही बसन्तकालीन गन्ना बुवाई में अस्वीकृत एवं नकली 118 गन्ना प्रजाति की बुवाई कदापि न करें तथा चीनी मिल द्वारा बताई जा रही स्वीकृत प्रजाति को. 118, को. 98014, को. 15023, को. जा. 85 एवं को.जा. 88 की बुवाई 4 से 5 फिट की दूरी पर करें साथ ही बीज शोधन एवं जमीन शोधन भी अवश्य करें।

टेट की अनिवार्यता को समाप्त करने को लेकर 4 अप्रैल को होगी महारैली

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- टीईटी के अनिवार्यता समाप्त करने को लेकर टीचर फेडरेशन ऑफ इंडिया के तत्वाधान में 4 अप्रैल 2026 को दिल्ली में प्रस्तावित महारैली को सफल बनाने के लिए प्राथमिक शिक्षक संघ ने आर पार की लड़ाई का निर्णय लिया है। ब्लॉक अध्यक्ष गंगेश्वरी रामवीर सिंह के टीचर्स कालोनी स्थित निवास पर शिक्षक पदाधिकारियों की एक बैठक आयोजित कर रणनीति बनाई गई।

ब्लॉक अध्यक्ष गंगेश्वरी रामवीर सिंह ने कहा कि शिक्षक भारी संख्या में बसों द्वारा प्रस्तावित रैली में प्रतिभाग करने हेतु अभी से अपनी तैयारी में जुट गए हैं। ब्लॉक अध्यक्ष गंगेश्वरी रामवीर सिंह ने कहा कि प्रांतीय दिशा निदेर्शों के क्रम में 4 अप्रैल 2026 को नई दिल्ली के रामलीला मैदान में टीचर फेडरेशन ऑफ इंडिया के सानिध्य में शिक्षकों की एक महारैली का आयोजन किया जाएगा। बैठक में प्रत्येक ब्लॉक से कम से कम दो दो बसों के ले जाने पर सहमति जताई गई। रैली में शिक्षकों की भागीदारी अनिवार्य रूप से निर्धारित की गई है। रैली को सफल बनाने के लिए वर्ष 2011 से पूर्व नियुक्त शिक्षकों पर थोपें गये टेट की अनिवार्यता को समाप्त करने के लिए शिक्षक लाखों की तादाद में प्रदर्शन में शामिल होंगे। बताया कि देश भर से लाखों की संख्या में शिक्षक नई दिल्ली में आंदोलन करेंगे। उन्होंने बताया कि दिल्ली धरने के दौरान पुलिस द्वारा बसों को किसी भी स्थान पर रोका जाता है तो रोके गए स्तल पर शिक्षक तत्काल धरना एवं प्रदर्शन शुरू कर देंगे और आंदोलन की गति वहीं से जारी रखी जाएगी। टेट की अनिवार्यता को समाप्त करने के लिए शिक्षक अबकी बार आर पार की लड़ाई के लिए तत्पर तैयार है।

इस अवसर पर ब्लॉक संयुक्त मंत्री महताबुद्दीन, वरिष्ठ उपाध्यक्ष देवेंद्र कुमार शर्मा, गौतम सिंह,विनोद कुमार गौतम, कर्णवीर सिंह,योगराज सिंह, धर्मेंद्र शर्मा,संजीव कुमार, राजाराम, कुलदीप कुमार आदि उपस्थित रहे।

राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान अमरोहा में 30 मार्च को लगेगा अप्रेन्टिसशिप मेला

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के नोडल प्रधानाचार्य राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान ने जानकारी देते हुए कहा कि राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, ग्रा०-केशोपुर, कैलसा रोड, अमरोहा में 30 मार्च, 2026 दिन सोमवार, को पूर्वाह्न 10:00 बजे अप्रेन्टिसशिप मेले का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें जपनद एवं वाह्य की प्रतिष्ठित कम्पनियों द्वारा प्रतिभाग कर विभिन्न व्यवसायों के आई०टी०आई०/ हाईस्कूल / स्नातक/डिग्री/डिप्लोमा उत्तीर्ण अभ्यर्थियों का अप्रेन्टिसशिप हेतु चयन किया जायेगा। अतः 30 मार्च, 2026 दिन सोमवार, को पूर्वाह्न 10:00 बजे आयोजित अप्रेन्टिसशिप मेले में उक्तानुसार विभिन्न व्यवसायों (फिटर/विद्युतकार/ इलैक्ट्रोनिक्स मैकेनिक्स/मैके० मोटरव्हीकल /कोपा/सी०एच०एन०एम०/वेल्डर/प्लम्बर / मशीनिष्ट/हाईस्कूल / स्नातक/डिग्री/डिप्लोमा आदि) उत्तीर्ण अभ्यर्थी राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, ग्रा०-केशोपुर, कैलसा रोड, अमरोहा में उपस्थित होकर स्वर्णिम अवसर का लाभ प्राप्त करें।

धनौरा के खादर क्षेत्र में तेंदुए का आतंक जारी,वन विभाग द्वारा लगाए पिंजरे पर ग्रामीणों ने उठाए सवाल

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के मंडी धनौरा के खादर क्षेत्र में तेंदुए का आतंक लगातार जारी है। क्षेत्र में लगातार हो रहे हमलों और ग्रामीणों में बढ़ते खौफ को देखते हुए वन विभाग ने फतेहउल्लापुर और आसपास के इलाकों में पिंजरा लगा दिया है। हालांकि, पिंजरे में चारा के रुप में बकरा न होने को लेकर ग्रामीणों ने वन विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं।

बता दें कि तेंदुए की मौजूदगी की पुष्टि सबसे पहले फतेहउल्लापुर गांव में हुई थी, जहां एक किसान ने अपनी गाड़ी में बैठकर तेंदुए का वीडियो बनाया था। यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद वन विभाग सक्रिय हुआ। इसके कुछ समय बाद, झुंडपुरा गांव के निवासी गुरदीप सिंह गोपी के पालतू कुत्ते को तेंदुए ने घर के आंगन से उठा लिया और खेतों में शिकार बना लिया।दो दिन पहले नीलीखेड़ी गांव में भी तेंदुए ने एक मवेशी पर हमला किया, जिससे ग्रामीणों में दहशत फैल गई है। क्षेत्रीय वन रेंजर अवनीश कुमार ने बताया कि तेंदुए की गतिविधियों पर लगातार नजर रखी जा रही है। उन्होंने कहा, "तेंदुआ एक चालाक जानवर है और वह लगातार अपनी जगह बदल रहा है। उसे पकड़ने के लिए रणनीतिक स्थान पर पिंजरा लगाया गया है और जल्द ही इसमें बकरे को बांधा जाएगा।"दूसरी ओर, ग्रामीण वन विभाग की धीमी कार्रवाई से असंतुष्ट हैं। ग्रामीण कश्मीर सिंह का कहना है कि पिंजरा लगाना केवल एक औपचारिकता है। उन्होंने तर्क दिया, "वन विभाग ने पिंजरा तो लगा दिया है, लेकिन उसमें अभी तक कोई चारा बकरा,बकरी नहीं बांधा गया है। बिना चारा के तेंदुआ पिंजरे में क्यों आएगा? जब तक उसे लालच नहीं मिलेगा, यह पिंजरा किसी काम का नहीं है।"फिलहाल, खादर क्षेत्र के दर्जनों गांवों में तेंदुए का खौफ बना हुआ है। ग्रामीण उम्मीद कर रहे हैं कि वन विभाग जल्द ही इस तेंदुए को पकड़ने में सफल होगा।

राज्य मंत्री ने ग्राम पंचायत फौलादपुर में आयोजित ग्राम चौपाल में किया प्रतिभाग

अमरोहा (सब का सपना):- राज्य मंत्री, वन, पर्यावरण, जन्तु उद्यान एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उ0प्र0 शासन एवं जनपद के प्रभारी मंत्री के0पी0मलिक द्वारा ग्राम पंचायत फौलादपुर में आयोजित ग्राम चौपाल में भाग लिया। सर्वप्रथम मंत्री ने मुख्यमंत्री पंचायत प्रोत्साहन पुरस्कार योजना के अंतर्गत निर्मित बरात घर का लोकार्पण भी किया। उन्होंने चौपाल में ग्रामवासियों से कहा कि आपके बीच आने का उद्देश्य है आपकी समस्याओं को सुनकर निराकरण करना और आपके सुझाव प्राप्त करना। कहा कि आज सभी योजनाओं का लाभ सीधे पात्र लाभार्थियों को मिल रहा है। मंत्री ने ग्राम प्रधान मनु यादव के कार्यों की प्रशंसा करते हुए ग्रामवासियों से अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा, संस्कार और तहजीब दे, ताकि आना वाली पीढ़ी एक बेहतर समाज का निर्माण करें। कहा कि सरकार द्वारा विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से हर वर्ग का ख्याल रखा जा रहा है। इस अवसर पर उन्होंने गर्भवती महिलाओं की गोदभराई और छोटे बच्चों का अन्नप्राशन भी किया। कार्यक्रम में सीएम आवास योजना के लाभार्थी को चाबी, वृद्धावस्था पेंशन के लाभार्थी को स्वीकृति प्रमाण पत्र, उत्कृष्ट सफाई कर्मचारी को प्रशस्ति पत्र, नेशनल प्लेयर शिवि यादव और पुलिस में चयनित अंजली यादव के पिता को सम्मानित किया। इसके साथ सीआईएफ के तहत समूह की महिलाओं को 45 लाख धनराशि के प्रमाण पत्र वितरण किए। ओडीओपी और सीएम युवा के तहत चेक प्रदान किया। युवक और महिला मंगल दल को खेल किट प्रदान की। मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र ने समूहों की दीदियों को बड़ा कार्य करने की योजना बनाने की बात कही। उन्होंने कहा कि आपके क्षेत्र में जिस कार्य का स्कोप है वो करें जिसके लिए आपको प्रशिक्षण और वित्तीय सहायता दी जाएगी।

उन्होंने कहा निर्मित बरात घर से महिलाओं को स्वरोजगार का अवसर प्राप्त होगा और आजीविका बढ़ेगी। इस अवसर पर पीडी डीआरडीए अंबरीश कुमार, जिला पंचायत राज अधिकारी पारुल सिसौदिया, जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी पुनीत कुमार, ग्राम प्रधान मनु यादव सहित अन्य सम्बंधित अधिकारी एवं ग्रामवासी उपस्थित रहे।

राज्यमंत्री ने नवनिर्मित तहसील नौगावां सादात का किया निरीक्षण

अमरोहा (सब का सपना):- राज्य मंत्री, वन, पर्यावरण, जन्तु उद्यान एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उ0प्र0 शासन एवं जिला प्रभारी मंत्री के0पी0मलिक ने नव निर्मित तहसील नौगावां सादात के आवासीय और अनावासीय भवनों के निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने निर्माण कार्यों की गुणवत्ता को बारीकी से परखा और कई खामियों पर नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने मुख्य भवन, हवालात, बैरक, गैराज, पम्प रूम, सी०सी० रोड, बाउन्ड्रीवाल गेट सहित, बोरिंग एवं ट्यूबवैल, बाह्य स्थल विकास कार्य, विद्युत संयोजन आदि का जायजा लिया। आवासीय भवनों के निरीक्षण में अलमारी की खराब गुणवत्ता और टूटी टाइल्स देखकर कड़ी नाराजगी जताई। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को एक सप्ताह के अंदर इन खामियों को पूरी तरह ठीक करने के सख्त निर्देश दिए। सीसी सड़क की फिनिशिंग और लेवल सही न पाए जाने पर मंत्री ने विशेष रूप से कड़ी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने कहा कि सड़क का लेवल और फिनिशिंग बिल्कुल सही होना चाहिए और इसे तुरंत दुरुस्त किया जाए। इसके अलावा विद्युत कार्य अधूरा पाए जाने पर भी नाराजगी जाहिर की गई। कई पॉइंट्स पर अधूरे विद्युत कार्य को शीघ्र पूर्ण करने तथा विद्युत कनेक्शन का काम भी जल्द से जल्द पूरा करने के निर्देश दिए। आवासीय भवनों के आसपास पानी की निकासी की व्यवस्था करने, परिसर में पौधरोपण करने और आवश्यक जगहों पर मिट्टी भराव कराने के भी निर्देश दिए। साथ ही सीढ़ियों पर रेलिंग लगाने का कार्य भी एक सप्ताह के अंदर पूरा करने को कहा। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र, पुलिस क्षेत्राधिकारी, तहसीलदार लकी सिंह, लोक निर्माण विभाग के अधिकारी, कार्यदाई संस्था के पदाधिकारी सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रभारी मंत्री के0पी0 मलिक की अध्यक्षता में विकास कार्यों की समीक्षा बैठक

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के कलेक्ट्रेट सभागार में राज्य मंत्री वन एवं पर्यावरण के0पी0 मलिक की अध्यक्षता में जनपद के विकास कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र ने विभिन्न विभागों की उपलब्धियों से मंत्री को अवगत कराया। जनपद ने सिचाई विभाग की टेल फीडिंग योजना में प्रदेश में प्रथम रैंक, उद्यान विभाग की एकीकृत बागवानी मिशन योजना में द्वितीय रैंक, स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण फेज-2 में तृतीय रैंक, निराश्रित गौवंश संरक्षण में चतुर्थ तथा प्रधानमंत्री आवास योजना में पंचम रैंक प्राप्त किया है। कृषि विभाग की समीक्षा में बताया गया कि कृषि रक्षा रसायन डीबीटी के 830 आवेदन शत-प्रतिशत स्वीकृत हुए। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत 2,63,560 किसानों के खातों में 852.47 करोड़ रुपये हस्तांतरित किए गए। बीज डीबीटी के 7872 आवेदन पूर्ण स्वीकृत हुए। सहकारिता विभाग ने अल्पकालीन ऋण वितरण लक्ष्य की पूर्ति की। मंत्री जी ने उर्वरक की अफवाहों पर निगरानी, कीटनाशक-उर्वरक के कम प्रयोग के लिए किसानों को जागरूक करने, वृक्ष कटान की जांच तथा जल जीवन मिशन में शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। स्वास्थ्य विभाग की आयुष्मान योजना में प्रथम स्थान पर पहुंचने पर प्रशंसा की और दुरुपयोग रोकने के कड़े कदम उठाने को कहा। बैठक में जलनिगम, विद्युत, पशुधन, शिक्षा, महिला कल्याण आदि विभागों की योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की गई। मंत्री जी ने कहा कि लाइब्रेरी सिर्फ बनाने से नहीं, बच्चों को पढ़ाई और नौकरी के लिए उपयोगी बनानी होगी तथा सफल छात्रों को सम्मानित करें। इस अवसर पर मंत्री ने 10 दिव्यांग बच्चों को स्मार्टफोन वितरित किए। जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने आश्वासन दिया कि सभी निदेर्शों का शत-प्रतिशत पालन किया जाएगा।

रामनवमी के अवसर पर अमरोहा में जगह-जगह निकली शोभायात्राएं,भक्तों दिखा उत्साह

अमरोहा (सब का सपना):- श्री रामनवमी के पावन अवसर पर जनपद भर में जगह-जगह शोभा यात्राएं निकाली गई। इस दौरान जनपद के धनौरा, अमरोहा नगर,गजरौला क्षेत्र आदि कई स्थानों पर श्री राम नवमी को श्री राम जयंती प्रकट उत्सव के रुप में धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

बता दें कि शुक्रवार को अमरोहा में श्री रामनवमी के पावन अवसर पर जनपद भर में जगह-जगह शोभायात्राएं निकाली गईं। इस दौरान जनपद के अमरोहा नगर, गजरौला एवं धनौरा आदि प्रमुख स्थानों पर श्री रामनवमी को श्री राम जयंती प्रकट उत्सव के रूप में बड़े ही धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। जिसके चलते मंडी धनौरा में श्री राम जयंती प्रकट उत्सव के अवसर पर प्रभु श्री राम की शोभायात्रा निकाली गई। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष प्रवीण अग्रवाल ने विधिवत पूजा-अर्चना और आरती कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

इस दौरान नगर में 'जय श्री राम' के उद्घोष सुनाई दिए। उद्घाटन अवसर पर अध्यक्ष प्रवीण अग्रवाल ने जन समूह को संबोधित किया उन्होंने कहा कि भगवान श्री राम का जीवन दर्शन संस्कार और मानवीय संदेशों से परिपूर्ण है, उन्होंने लोगों से प्रभु श्री राम के आदर्शों और मयार्दाओं को अपने जीवन में उतारने का संकल्प लेने का आवाहन किया। शोभा यात्रा को कंचन बाजार स्थित श्री राम जानकी मंदिर (बालाजी धाम) से प्रारंभ किया गया और नगर के रथगंज बाजार ,हरदेव बाजार ,पुराना स्टेट बैंक तिराहा, छोटी मस्जिद, सब्जी मंडी ,मोहल्ला गढ़ी और सोसायटी से होते हुए वापस मंदिर पर लाकर समापन कराया गया। इसी कड़ी में श्री राम नवमी के अवसर पर गजरौला नगर एवं क्षेत्र में शोभा यात्रा निकालीं गईं जिसमें नगर क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गांव सलेमपुर गोसाई में शोभायात्रा निकाली गई,

जिसमे भक्तों ने मां चामुंडा देवी के मंदिर में जल रही माता की अखंड ज्योत को रामनवमी के अवसर पर विसर्जन करने हेतु शोभा यात्रा का आयोजन किया। इस दौरान माता के भक्तों ने माता की ज्योत को शोभायात्रा के दौरान पूरे गांव में भ्रमण कराकर अंत में गांव के नुक्कड़ पर जाकर यात्रा का समापन किया। बता दें की शोभा यात्रा के दौरान उसमें बनीं नौदुर्गे माता की झांकियां लोगों के आकर्षण का केंद्र रहीं। इसके अलावा शोभायात्रा में डीजे पर चल रहे माता के भजनों पर भी भक्त लोग झूमते नजर आए। इसके अलावा अमरोहा नगर में रामनवमी के अवसर पर भव्य शोभायात्रा का आयोजन कराया गया। यह शोभायात्रा बाबा गंगनाथ मंदिर से शुरू होकर शहर के कई मुख्य मार्ग से गुजरी ।इसमें कई आकर्षक झांकियां शामिल रहीं जो श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बनी रहीं सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए भारी पुलिस बल भी शोभायात्रा के दौरान मौके पर मौजूद रहा।

बता दें कि शुक्रवार को मंदिर प्रांगण में सुबह 11:00 बजे भजन कीर्तन शुरू हुए।

जिसके बाद प्रभु श्री राम की भव्य आरती के साथ प्रकट उत्सव संपन्न हुआ। आरती के बाद नगर में भव्य शोभायात्रा का शुभारंभ किया गया। इसमें अनेक मनोरम झांकियां गाजे बाजे और प्रभु का डोला शामिल रहा शोभायात्रा को मंदिर की बाबा गंगानाथ जी से प्रारंभ करते हुए स्टेट बैंक, जट बाजार, मोहल्ला गस्तियां, मंडी चौब होती हुई बड़े बाजार में स्थित श्री बाबा गंगनाथ के मंदिर पर लाकर समापन किया।

संक्षिप्त डायरी

सीतापुर में लाइसेंसी रिवाल्वर से चिकित्सक ने खुद को मारी गोली, मौत

सीतापुर (एजेंसी) सीतापुर शहर कोतवाली इलाके में एक चिकित्सक ने कनपटी पर रिवॉल्वर रखकर खुद को गोली मार ली। घटना के समय उनकी पत्नी घर पर मौजूद थीं। सीतापुर। शहर कोतवाली इलाके में शुक्रवार दोपहर एक चिकित्सक ने खुद को लाइसेंसी रिवॉल्वर गोली मार ली। कमरे के अंदर उनका शव बिस्तर पर पड़ा पाया गया है। शहर कोतवाली से कुछ कदम की दूरी पर मोहल्ला बट्सगंज निवासी राजेन्द्र चौधरी (69) का शव कमरे के अंदर पड़ा पाया गया। सीओ सिटी विनायक गोपाल भोसले के मुताबिक राजेंद्र खैराबाद में अपना एक क्लीनिक चलाते हैं। घटना के समय उनकी पत्नी घर पर मौजूद थीं। चिकित्सक ने खुद को कमरे में बंद करके कनपटी पर रखकर गोली चलाई। बिस्तर पर रिवाल्वर और खून के निशान पाए गए हैं। घटना के कारण का पता नहीं चल पाया है। उनके दो पुत्र हैं जो चिकित्सक हैं। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। फोरेंसिक टीम ने भी मौके पर जांच की है।

सरयू स्नान–दान पुण्य और राम लला के दर्शन के लिए उमडे.लाखों श्रद्धालु

अयोध्या (एजेंसी) । रामनवमी पर्व पर आज राम नगरी अयोध्या में श्रद्धा का जनसैलाब उमड़ पड़ा है। शुक्रवार ब्रह्म मुहूर्त से ही लाखों श्रद्धालु सरयू नदी के घाटों पर स्नान के लिए पहुंच रहे हैं। आज के दिन सरयू स्नान और दान को इस दिन विशेष पुण्यदायी माना जाता है। दूर-दराज से आए लाखों भक्त पूरे उत्साह के साथ धार्मिक अनुष्ठानों में शामिल हो रहे हैं। सरयू स्नान के बाद श्रद्धालु राम मंदिर अयोध्या सहित प्रमुख मंदिरों में दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं । मंदिरों को भव्य सजावट, फूलों और रोशनी से सजाया गया है। जय श्रीराम के जयघोष से पूरी नगरी भक्तिमय माहौल में डूबी हुई है। महिलाओं द्वारा पारंपरिक सोहर गीत और भजन-कीर्तन का आयोजन है। भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव को लेकर श्रद्धालुओं में खास उत्साह देखने को मिला। रामनवमी पर अयोध्या में भारी भीड़ को देखते हुए सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए। एडीजी जोन लखनऊ प्रवीण कुमार समेत सभी वरिष्ठ अधिकारी सक्रिय हैं। आयुक्त राजेश कुमार, जिलाधिकारी निखिल टीकाराम फुंडे और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. गौरव ग्रोवर कानून व्यवस्था की समीक्षा कर रहे हैं। 26 मार्च को 20 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने सरयू नदी में स्नान किया। आज 27 मार्च को भी करीब 10 लाख श्रद्धालु स्नान कर चुके हैं, और सिलसिला जारी है।

जन्मभूमि मंदिर में प्रभु श्रीराम का मनाया जन्मोत्सव

अयोध्या (एजेंसी) । पूरे भारत सहित उत्तर प्रदेश के अयोध्या में भी रामनवमी का पर्व बड़े उल्लास और धूमधाम के साथ मनाया जा रहा है।शुक्रवार को चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि पर ठीक दोपहर 12 बजे श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में प्रभु श्रीराम का प्रतीकात्मक जन्म मनायागया। श्रीराम के जन्म होने के बाद आरती उतारी गई। सूर्य की किरण ने श्रीरामलला का मस्तकाभिषेक किया और उसके बाद प्रतिमा का पंचामृत से अभिषेक किया गया। श्रीजन्मभूमि मंदिर में श्रीराम का जन्म होते ही पूरी अयोध्या में जमकर पटाखे छूटे। राम जन्मोत्सव पर पूरी अयोध्या में अभूतपूर्व उत्साह दिखा है। भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव मंप शामिल होने के अयोध्या पहुंचे बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे हैं। मंदिर के मुख्य मार्ग पर संतों ने श्रद्धालुओं पर फूल बरसाए।

महाअष्टमी-नवमी पर उमड़ा आस्था का सैलाब

मीरजापुर (एजेंसी) । चुनार क्षेत्र के अदलपुरा स्थित बड़ी शीतला माता धाम में महाअष्टमी और नवमी तिथि पर आस्था का जनसैलाब उमड़ पड़ा। गुरुवार रात से शुक्रवार तक धाम परिसर में लाखों श्रद्धालुओं का जमावड़ा लगा रहा। रात्रि श्रृंगार आरती के दर्शन के लिए श्रद्धालु पूरी रात कतारों में डटे रहे। बताया जाता है कि इस दौरान करीब चार लाख श्रद्धालुओं ने मां गौरी व मां सिद्धिधात्री स्वरूप का दर्शन-पूजन कर मनोकामनाएं मांगीं। भीड़ के चलते मंदिर का कपाट केवल रात 12 से 1 बजे तक एक घंटे के लिए बंद किया गया, बाकी समय दर्शन-पूजन लगातार चलता रहा।

श्रद्धालु नारियल, चुनरी, पुड़ी-हलवा, पुआ व फल-फूल लेकर जयकारे लगाते हुए गर्भगृह तक पहुंचे और मां को भोग अर्पित किया। मान्यता के अनुसार भक्तों ने संतान सुख व समृद्धि की कामना की। पूरे मंदिर परिसर और आसपास की गलियां जय माता दी के जयघोष से गूंजती रहीं। भीषण भीड़ को नियंत्रित करने में पुलिस व प्रशासन को कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। वहीं पुजारियों ने भी लगातार श्रद्धालुओं को सुगम दर्शन कराने में अहम भूमिका निभाई। सुरक्षा व्यवस्था के तहत बड़ी संख्या में पुलिस व पीएसी बल तैनात रहा।

नवरात्र की नवमी पर शीतला चौकिया धाम और मैहर में श्रद्धालुओं ने किए दर्शन

जौनपुर (एजेंसी) । चैत्र नवरात्र की नवमी पर शुक्रवार को देवी मंदिरों में आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। शीतला चौकिया धाम और मां शारदा पीठ मैहर मंदिर परमानतपुर में भोर से ही श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लग गईं। श्रद्धालुओं को एक से दो घंटे इंतजार के बाद ही दर्शन मिल सके। मंदिरों में सप्तशती के श्लोक गूंज रहे थे, वहीं घट-घड़ियाल और शंख ध्वनि से पूरा माहौल भक्तिमय हो गया। नवरात्र के नौवे दिन महागौरी स्वरूप का पूजन किया गया। मां को कड़ाही चढ़ाने के साथ ही मुंडन आदि संस्कार भी संपन्न हुए। शीतला चौकिया धाम परिसर भोर से ही मां के जयकारों से गूंज उठा। सुबह साढ़े चार बजे मां के पट खुलते ही दर्शन के लिए लालायित श्रद्धालु उमड़ पड़े। सिटी स्टेशन रेलवे क्रॉसिंग के पास काली मंदिर और विसर्जन घाट स्थित नवदुर्गा मंदिर में भी दिनभर श्रद्धालु उमड़ते रहे। सुजानगंज के देवी मंदिरों पर भी भारी संख्या में भक्तों ने पूजन-अर्चन कर मां का आशीर्वाद प्राप्त किया। इसी दौरान प्रभु श्रीराम का भव्य जन्मोत्सव भी मनाया गया, जिसमें कन्याओं का पूजन किया गया। श्री मां शारदा शक्तिपीठ मैहर देवी मंदिर में नवरात्र के पावन अवसर पर परिसर भक्ति भाव से सराबोर दिखा। मंदिर ट्रस्ट द्वारा नवरात्र के दौरान प्रतिदिन प्रसाद स्वरूप हलवा वितरित किया गया। ट्रस्टी रविकांत जायसवाल ने इस व्यवस्था की देखरेख की।

5 साल की बच्ची ने गिफ्ट किया खिलौना बुलडोजर, सीएम योगी ने दी 'पढ़ाई' की सलाह

जब नन्हीं यशस्विनी ने सीएम योगी को भेंट किया 'बुलडोजर', मुख्यमंत्री ने दुलार के साथ लौटाते हुए कहा– 'खूब मन लगाकर पढ़ो'

गोरखपुर (एजेंसी) गोरखपुर में एक 5 वर्षीय बच्ची ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को खिलौना बुलडोजर भेंट किया, जिसे उन्होंने पढ़ाई करने की सलाह के साथ लौटा दिया। यह घटना योगी सरकार के 'बुलडोजर राज' के प्रतीक को उजागर करती है, जिसके तहत मुख्यमंत्री ने जनता दर्शन में भू-माफिया और दबंगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। शुक्रवार को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के उत्तर गोरखपुर स्थित गोरखनाथ मंदिर के दर्शन के दौरान एक पांच वर्षीय बच्ची ने उन्हें खिलौना

बुलडोजर भेंट किया। इस भावपूर्ण घटना ने सोशल मीडिया पर तुरंत सुर्खियां बटोरीं। अपने परिवार के साथ आई कानपुर की यशस्विनी ने मंदिर परिसर में कड़ी सुरक्षा के बीच मुख्यमंत्री से संपर्क किया और उन्हें छोटा बुलडोजर सौंप दिया। मुख्यमंत्री ने बच्ची को बुलडोजर लौटाते हुए उसे अच्छे से पढ़ाई करने और बुलडोजर से खेलने के लिए कहा। बुलडोजर आदित्यनाथ की शासन शैली का प्रतीक बन गया है, जिसके तहत अपराधों के आरोपियों से जुड़ी संपत्तियों को ध्वस्त किया गया है। विपक्ष इस प्रथा की अक्सर बुलडोजर राज कहकर आलोचना करता रहा है। दूसरी ओर योगी आदित्यनाथ ने कमजोर तबके पर दबंगई दिखाने वालों को चेताया कि राज्य में गुंडागर्दी किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी और पुलिस को ऐसे तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, मुख्यमंत्री ने गोरखपुर प्रवास के दौरान लगातार दूसरे दिन शुक्रवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में विभिन्न जिलों से आए लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। कमजोर तबके के लोगों को कुछ दबंगों द्वारा डराने-धमकाने की शिकायत पर मुख्यमंत्री ने पुलिस अधिकारियों से कहा कि गुंडागर्दी बर्दाश्त नहीं की जाएगी, ऐसे तत्वों के खिलाफ तत्काल कड़ी कार्रवाई की जाए। यदि कोई अभियुक्त जमानत पर छूटने के बाद वादी को धमका रहा हो, तो उसकी जमानत निरस्त कराने की कार्रवाई की जाए।

महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर आयोजित जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने करीब 200 लोगों की समस्याएं सुनीं। उन्होंने सभी प्रार्थना पत्र संबंधित अधिकारियों को भेजते हुए त्वरित और संतोषजनक निस्तारण के निर्देश दिए और कहा कि हर व्यक्ति की समस्या का समाधान सरकार का संकल्प है। योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि बिना भेदभाव सभी को न्याय मिले, हर पात्र व्यक्ति को जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिया जाए, जरूरतमंदों के समुचित इलाज की व्यवस्था सुनिश्चित हो और जमीन कब्जाने वाले भू-माफिया व दबंगों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए।

पुलिस भर्ती बोर्ड ने स्पष्ट किया- सरनेम या टाइटिल के आधार पर तय नहीं होती जाति

लखनऊ (एजेंसी) यूपी में पुलिस भर्ती बोर्ड ने सोशल मीडिया में अभ्यर्थियों के सरनेम या टाइटल के आधार पर उनकी जाति और श्रेणी के संबंध में भ्रामक टिप्पणियों को लेकर बयान जारी किया है और जाति के सत्यापन की प्रक्रिया की जानकारी दी है। उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड ने भर्ती प्रक्रिया में अभ्यर्थी के सरनेम व टाइटिल को लेकर फैल रही भ्रामक खबरों पर स्पष्टीकरण दिया है और चयन की प्रक्रिया की पूरी जानकारी दी है। इस संबंध में बयान जारी करते हुए पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड ने कहा कि सोशल मीडिया में कतिपय अभ्यर्थियों के सरनेम या टाइटल के आधार पर उनकी जाति/श्रेणी के संबंध में भ्रामक टिप्पणियां की जा रही हैं ।उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड इस संबंध में यह स्पष्ट करता है कि सरनेम या टाइटल के आधार पर किसी अभ्यर्थी की जाति निर्धारित नहीं की जाती है। अभ्यर्थियों को सक्षम अधिकारियों द्वारा निर्गत जाति प्रमाण पत्रों की संवीक्षा (वेरिफिकेशन) की कार्यवाही की जाती है। अभिलेखों की संवीक्षा हेतु गठित डीवी बोर्ड द्वारा (जिसमें उपजिलाधिकारी स्तर एवं पुलिस उपाधीक्षक स्तर के अधिकारी होते हैं) समुचित रूप से मूल जाति प्रमाण पत्र का परीक्षण किया जाता है। उक्त परीक्षण से पूर्णतया संतुष्ट होने के उपरांत ही अभ्यर्थियों को संबंधित श्रेणी में सफल घोषित किया जाता है। नियुक्ति पत्र देने से पूर्व नियुक्ति जनपद के पुलिस अधीक्षक द्वारा चयनित अभ्यर्थियों का पुनः सत्यापन कराया जाता है। यदि किसी व्यक्ति को किसी विशिष्ट अभ्यर्थी की जाति के संदर्भ में कोई पुष्ट एवं प्रामाणिक जानकारी प्रदान करनी है तो कृपया उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड के ई मेल पर सूचित करें। बोर्ड द्वारा इस सम्बंध में समुचित जांच कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। ऐसा करने वालो के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्यवाही की जाएगी। बता दें कि सोशल मीडिया पर इस तरह की खबरें चल रही हैं जिनमें सरनेम या टाइटिल को लेकर भ्रामक खबरें फैलाई जा रही हैं।

अनुसूचित जाति के छात्र-छात्राओं के लिए यूपी में बनेंगे छह आधुनिक छात्रावासं

लखनऊ (एजेंसी) उत्तर प्रदेश सरकार अनुसूचित जाति के छात्र-छात्राओं को बेहतर शैक्षणिक वातावरण और आधुनिक आवासीय सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में लगातार ठोस कदम उठा रही है। इसी क्रम में भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के सहयोग से समाज कल्याण विभाग द्वारा प्रदेश में छह आधुनिक हॉस्टल के निर्माण और मरम्मत का कार्य शुरू किया जा रहा है। प्रधानमंत्री अनुसूचित जाति अभ्युदय योजना (PM-AJAY) के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2025-26 में इन छात्रावासों के लिए कुल 12.30 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी गई है। इसमें से 6.15 करोड़ रुपये की पहली किस्त जारी कर दी गई है। यह पहल सामाजिक समावेशन और शिक्षा के समान अवसर सुनिश्चित

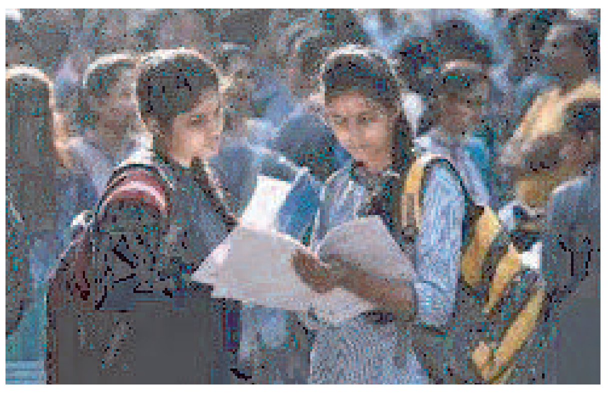

करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है। योजना के तहत जौनपुर, सुल्तानपुर और हाथरस में एक-एक तथा फिरोजाबाद में तीन छात्रावासों का निर्माण किया जाएगा। इन छात्रावासों को आधुनिक कैंपस के रूप में विकसित किया जाएगा, जिससे दूर-दराज के क्षेत्रों से आने वाले विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण आवासीय सुविधा मिल सके। इन छात्रावासों में सुसज्जित कक्ष, आधुनिक मेस, मनोरंजन कक्ष, समृद्ध पुस्तकालय, सुरक्षा के लिए गार्ड रूम और छात्रावास अधीक्षक के लिए आवास जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। सरकार का उद्देश्य इन्हें केवल रहने का स्थान नहीं, बल्कि एक समग्र लर्निंग हब के रूप में विकसित करना है समाज कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण ने बताया कि निर्माण कार्य में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए धनराशि रठअ (स्पर्श) खाते के माध्यम से संचालित की जा रही है। साथ ही कार्य को गुणवत्ता और समयबद्धता के साथ पूरा कराने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि विद्यार्थियों को जल्द से जल्द इसका लाभ मिल सके। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार शिक्षा के क्षेत्र में समावेशी विकास को प्राथमिकता दे रही है। यह पहल न केवल अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों को बेहतर अवसर प्रदान करेगी, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर और प्रतिस्पर्धी बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इस योजना के माध्यम से प्रदेश में शिक्षा के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के साथ-साथ सामाजिक न्याय और समान अवसर की दिशा में एक और मजबूत कदम बढ़ाया गया है।

गंगा स्नान करने गए चार बच्चों की डूबने से मौत, तीन बचाए गए, मांडा के बामपुर घाट पर हुआ हादसा

प्रयागराज (एजेंसी) मांडा क्षेत्र में शुक्रवार को बड़ा हादसा हो गया। राम नवमी पर गंगा स्नान करने गए सात लड़के गंगा में समा गए। तीन को किसी तरह बाहर निकाल लिया गया, जबकि चार लड़के तेज धारा में समा गए। काफी प्रयास के बाद चारों के शव गोताखोरों ने बरामद किए। इस घटना से पूरे इलाके में कोहराम मच गया है। मांडा थाना क्षेत्र के बामपुर गांव स्थित गंगा घाट पर शुक्रवार सुबह बड़ा हादसा हो गया। स्नान करने गए सात बच्चे अचानक गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे। घटना में तीन बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया, जबकि चार बच्चे गंगा की तेज धारा में समा गए। काफी मशक्कत के बाद गोताखोरों ने सभी के शव बाहर निकाले। बामपुर गांव निवासी मोहित (13) पुत्र दिगविजय, दिव्यांशु (16) पुत्र कमलेश, अमन (9) पुत्र कृष्ण कुमार, कुनाल (12) पुत्र अनिल, निहाल (10) पुत्र

अनिल, दीपक (17) पुत्र राजाराम और ऋषभ (10) पुत्र कमलेश शुक्रवार सुबह करीब 10:30 बजे गंगा घाट पर स्नान करने पहुंचे थे। इसी दौरान अचानक गहराई में जाने से सभी बच्चे डूबने लगे। बच्चों की चीख-पुकार सुनकर आसपास मौजूद मछुआरे मौके पर पहुंचे और मोहित, दिव्यांशु व अमन को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। वहीं कुनाल, निहाल, दीपक और ऋषभ गंगा की डूबने से मौत हो गई। काफी प्रयास के बाद चारों के शव बरामद किए गए। घटना के बाद गांव में कोहराम मच गया है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। सूचना पर प्रभारी थाना निरीक्षक माधव प्रसाद त्रिपाठी व भारतगंज चौकी प्रभारी सुभाष सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर मौजूद हैं और स्थानीय गोताखोरों की मदद से लापता बच्चों की तलाश जारी।

प्रभारी मंत्री ने ग्राम चुचैला कलां में गौ-आश्रय स्थल व एफ0एस0टी0पी0 का किया निरीक्षण

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में राज्य मंत्री, वन, पर्यावरण, जन्तु उद्यान एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उ0प्र0 शासन एवं जनपद के प्रभारी मंत्री के0पी0मलिक द्वारा ग्राम चुचैला कलां में गौ-आश्रय स्थल तथा एफ०एस०टी०पी० का निरीक्षण किया। गौशाला के निरीक्षण में बछड़े और गाय को गुड़ खिलाया, टीका लगाया, माला पहनाई और दुलारा। गौशाला के केयरटेकरों को उपहार के रूप में वस्त्र भेंट कर सम्मानित किया। निमार्णाधीन चरही की गुणवत्ता परखी और शेड एवं तिरपाल लगाने के निर्देश दिए। गौशाला में देखभाल करने वालों से संवाद करते हुए मंत्री ने कहा आप सौभाग्यशाली है कि आपको गौ सेवा का अवसर प्राप्त हुआ बेजुबानों की सेवा सबसे बड़ी सेवा है। इस अवसर पर उन्होंने पौधारोपण भी किया। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र सहित अन्य सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

बलिया में बनेगा महर्षि भृगु कॉरिडोर, 50 करोड़ की लागत से बदलेगी धार्मिक पर्यटन की तस्वीर

बलिया (एजेंसी) । । उत्तर प्रदेश के जनपद बलिया में धार्मिक और पर्यटन विकास को नई दिशा देने के उद्देश्य से महर्षि भृगु कॉरिडोर के निर्माण को मंजूरी मिल गयी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बलिया के महर्षि भृगु मंदिर कॉरिडोर परियोजना को 50 करोड़ रुपये की मंजूरी दी है। यह परियोजना श्रीकाशी विश्वनाथ धाम की तर्ज पर विकसित होगी। परियोजना लगभग 10,520 वर्ग मीटर क्षेत्रफल में विकसित होगी, जो पवित्र गंगा नदी को ऐतिहासिक ददरी मेला क्षेत्र से जोड़ेगी। मुख्य राजस्व अधिकारी त्रिभुवन ने बताया कि यह कॉरिडोर विशेष रूप से श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखकर बनाया जा रहा है। भृगु मंदिर क्षेत्र में हर वर्ष कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर पांच लाख से अधिक श्रद्धालु गंगा स्नान और पूजा-अर्चना के लिए पहुंचते हैं। वहीं, ददरी मेले के दौरान यह संख्या 50 लाख के पार पहुंच जाती है। इसके अलावा गुरु पूर्णिमा, दीपावली और होली जैसे प्रमुख त्योहारों पर भी यहां बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ती है। कॉरिडोर बनने से इन सभी को बेहतर आवागमन और सुविधाएं मिल सकेंगी। परियोजना को अंतिम रूप देने के लिए मुख्य राजस्व अधिकारी की अध्यक्षता में गठित समिति ने भृगु कमेटी, चित्रगुप्त कमेटी और स्थानीय पुजारियों के साथ बैठक कर सुझाव लिए हैं। समिति में नगर मजिस्ट्रेट, लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता, सदर उपजिलाधिकारी और नगर पालिका परिषद के अधिशासी अधिकारी शामिल हैं। उन्होंने बताया कि कॉरिडोर का आर्किटेक्ट प्लान तैयार हो चुका है। नगर पालिका की परिसंपत्तियों और विद्युत विभाग के शिफ्टिंग खर्च का आकलन भी कर लिया गया है। परियोजना के लिए बजट का प्रावधान शासन स्तर पर किया जा चुका है। इसमें परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह के प्रयासों की महत्वपूर्ण भूमिका बताई जा रही है। महर्षि भृगु कॉरिडोर के निर्माण से बलिया को एक नई धार्मिक और सांस्कृतिक पहचान मिलेगी। यह परियोजना न केवल आस्था

का प्रमुख केंद्र बनेगी, बल्कि पर्यटन को भी बढ़ावा देगी। इसके माध्यम से बलिया एक ऐसे शहर के रूप में उभरेगा, जहां प्राचीन परंपराओं और आधुनिक सुविधाओं का सुंदर संगम देखने को मिलेगा।

शादी की खुशियां बनी तनाव, जेवर को लेकर विवाद गहराया

बैंक्वेट हॉल में निकाह के बाद बवाल, पुलिस पहुंची मौके पर

बिजनौर (सब का सपना):- नहटौर क्षेत्र के तालमपुर गांव स्थित एक बैंक्वेट हॉल में निकाह के बाद उस समय माहौल तनावपूर्ण हो गया, जब जेवर को लेकर दोनों पक्षों के बीच विवाद खड़ा हो गया। दूल्हा पक्ष द्वारा जेवर न लाने पर लड़की पक्ष ने विदाई रोक दी, जिससे कार्यक्रम में अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

जानकारी के अनुसार बारात नूरपुर क्षेत्र के खजूरा जट गांव से नहटौर-पैजनिया मार्ग स्थित तालमपुर गांव में आई थी। निकाह की रस्में शांतिपूर्वक संपन्न हो गईं, लेकिन पूरे कार्यक्रम के दौरान दूल्हा पक्ष जेवर लाने की बात टालता रहा। निकाह के बाद

जब दूल्हा पक्ष ने स्पष्ट कर दिया कि वे जेवर नहीं लाए हैं, तो मामला बिगड़ गया।

लड़की पक्ष ने आरोप लगाया कि उन्होंने शादी की सभी तैयारियां पूरी कर ली थीं, लेकिन दूल्हा पक्ष ने उन्हें धोखे में रखा। इससे नाराज होकर उन्होंने बेटी की विदाई से साफ इनकार कर दिया। देखते ही देखते दोनों पक्षों के बीच कहासुनी बढ़ गई और माहौल तनावपूर्ण हो गया।

सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास किया। देर शाम तक दोनों पक्षों के बीच समझौता कराने की कोशिशें जारी रहीं, लेकिन कोई अंतिम निर्णय नहीं हो सका।

फिलहाल मामला तूल पकड़ चुका है और लड़की पक्ष अपने फैसले पर अडिग है। क्षेत्र में इस घटना को लेकर चचाओं का दौर जारी है, वहीं पुलिस भी पूरे मामले पर नजर बनाए हुए है।

सड़क दुर्घटना में घायल मजदूर की उपचार के दौरान मौत

देर रात हुआ हादसा, एक टक्कर ने छीन ली जिंदगी

बिजनौर (सब का सपना):- शहर कोतवाली क्षेत्र के ग्राम ब्रह्मपुरी में देर रात हुए सड़क हादसे ने एक परिवार की खुशियां छीन लीं। मजदूरी कर घर लौट रहे युवक की बाइक साइकिल से टकरा गई, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया और उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतक की पहचान ब्रह्मपुरी रावली निवासी 36 वर्षीय कोमल पुत्र बलराम सिंह के रूप में हुई है। वह रोजाना की तरह शहर में मजदूरी करने के बाद अपने गांव लौट रहा था। इसी दौरान रास्ते में गांव के ही एक व्यक्ति की साइकिल अचानक सामने आ जाने से उसकी बाइक उससे टकरा गई। टक्कर इतनी तेज थी कि बाइक अनियंत्रित होकर सड़क पर गिर गई और कोमल के सिर में गंभीर चोट लग गई।

घटना के बाद मौके पर मौजूद ग्रामीणों में अफरा-तफरी मच गई। लोगों ने तुरंत घायल युवक को जिला अस्पताल पहुंचाया, लेकिन चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। हादसे की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया और पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। बताया गया कि कोमल राजमिस्त्री के साथ मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करता था। उसके परिवार में एक छोटा बच्चा है और उसकी पत्नी गर्भवती है। इस घटना के बाद परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।

पुलिस ने मौके की जानकारी लेते हुए आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है। ग्रामीणों ने प्रशासन से पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता देने की मांग की है।

खैर की लकड़ी से भरी पिकअप पकड़ी, चालक फरार

वन विभाग की बड़ी कार्रवाई, 7 लाख की लकड़ी बरामद

बिजनौर।(सब का सपना) जिले में अवैध कटान और तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत वन विभाग को बड़ी सफलता मिली है। साहूवाला रेंज की टीम ने चेकिंग के दौरान खैर की कीमती लकड़ी से भरी एक पिकअप गाड़ी को पकड़ लिया, जबकि चालक अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गया।

जानकारी के अनुसार वन विभाग को मुखबिर से सूचना मिली थी कि मदपुरी जंगल क्षेत्र से प्रतिबंधित खैर की लकड़ी काटकर बाहर ले जाई जा रही है। सूचना के आधार पर वन दरोगा साजिद, अभिषेक यादव, नितिन वनरक्षक और शुभम की टीम ने चेकिंग अभियान चलाया। इसी

दौरान एक संदिग्ध पिकअप गाड़ी को रोकने का इशारा किया गया, लेकिन चालक ने वाहन रोकने के बजाय तेज गति से भगा दिया।

टीम ने तत्परता दिखाते हुए पिकअप का पीछा किया और अफजलगढ़ क्षेत्र में नगर पालिका चेयरमैन पेट्रोल पंप के पास वाहन को घेरकर पकड़ लिया। हालांकि इस दौरान चालक अंधेरे का लाभ उठाकर फरार होने में सफल रहा। गाड़ी की तलाशी लेने पर उसमें बड़ी मात्रा में खैर की लकड़ी बरामद हुई।

वन विभाग के अनुसार बरामद लकड़ी की कीमत बाजार में करीब 7 लाख रुपये से अधिक आंकी जा रही है। प्रारंभिक जांच में लकड़ी अवैध रूप से जंगल से काटकर लाई गई प्रतीत हो रही है। वन दरोगा साजिद ने बताया कि मामले की गहन जांच की जा रही है और फरार चालक की तलाश के लिए टीमों को लगाया गया है। इस कार्रवाई के बाद क्षेत्र में अवैध लकड़ी तस्करों में हड़कंप मच गया है। विभाग ने साफ किया है कि जंगलों की सुरक्षा और अवैध कटान पर रोक के लिए अभियान आगे भी जारी रहेगा।

शॉर्ट सर्किट से घर में लगी आग, लाखों का सामान जलकर राख

शिवाला कला/बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के थाना शिवाला कला क्षेत्र के ग्राम आजमगढ़ उर्फ रतनगढ़ में एक दर्दनाक अग्निकांड की घटना सामने आई है। गांव निवासी सतनाम सिंह के घर में बिजली के शॉर्ट सर्किट के चलते अचानक आग लग गई, जिससे भारी नुकसान हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार आग इतनी तेजी से फैली कि परिवार को संभलने तक का मौका नहीं मिला। देखते ही देखते लपटों ने पूरे घर को अपनी चपेट में ले लिया। घर में रखा अनाज, कपड़े, नकदी और फर्नीचर सहित सारा सामान जलकर राख हो गया।

पीड़ित सतनाम सिंह के मुताबिक, आग से करीब ढाई लाख रुपये का नुकसान हुआ है। घटना की सूचना मिलते ही ग्रामीण मौके पर पहुंचे और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक घर का अधिकांश हिस्सा जल चुका था।

पीड़ित परिवार ने प्रशासन से आर्थिक सहायता और मुआवजे की मांग की है। वहीं स्थानीय स्तर पर भी मदद के प्रयास शुरू किए गए हैं, ताकि प्रभावित परिवार को राहत मिल सके।

चांदपुर में चोरों का कहर, घर में घुसकर नकदी-जेवर साफ

जंगला उखाड़कर घर में घुसे चोर, सुनियोजित तरीके से वारदात

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के चांदपुर क्षेत्र में चोरी की एक बड़ी वारदात सामने आई है, जहां अज्ञात चोरों ने एक व्यापारी के घर को निशाना बनाते हुए लाखों की नकदी और कीमती जेवरात चोरी कर लिए। घटना के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल है और पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार शहर के व्यापारी निरीश कुमार गुप्ता उर्फ बिल्लू गुप्ता के घर चोरों ने पीछे की ओर से करीब 15 फीट ऊंची दीवार फांदकर प्रवेश किया। इसके बाद चोरों ने टॉयलेट में लगे लोहे के जंगले को उखाड़ा और उसी रास्ते

से घर के अंदर घुस गए। अंदर पहुंचने के बाद चोर स्टोर रूम तक पहुंचे और वहां रखी नकदी व कीमती ज्वैलरी पर हाथ साफ कर फरार हो गए। बताया जा रहा है कि चोरों ने पूरी वारदात को बेहद सुनियोजित तरीके से अंजाम दिया, जिससे घर के लोगों को भनक तक नहीं लग सकी। सुबह जब घटना की जानकारी हुई तो परिवार में हड़कंप मच गया और आसपास के लोगों की भीड़ जुट गई। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और थाना प्रभारी मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी है, ताकि आरोपियों की पहचान कर जल्द से जल्द गिरफ्तारी की जा सके।

यह घटना चांदपुर-जलीलपुर रोड क्षेत्र की है, जहां हाल के दिनों में चोरी की घटनाओं को लेकर लोगों में चिंता बढ़ी है। स्थानीय लोगों ने पुलिस से रात्रि गश्त बढ़ाने और सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की है।

विधान परिषद् की विनियमन समीक्षा समिति अमानगढ़ टाइगर रिजर्व का करेगी भ्रमण

बिजनौर (सब का सपना):- डिप्टी कलेक्टर/ जिला सूचना अधिकारी हर्ष चावला ने जानकारी देते हुए बताया कि उत्तर प्रदेश विधान परिषद् की विनियमन समीक्षा समिति द्वारा माह अप्रैल में मेरठ, सहारनपुर व मुरादाबाद मण्डलों के भ्रमण का कार्यक्रम है। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश विधान परिषद् की "विनियमन समीक्षा समिति" अश्विनी त्यागी, सभापति के सभापतित्व में 05

अप्रैल, 2026 से शुरू होने वाले भ्रमण कार्यक्रम के तहत आगामी 09 अप्रैल, 2026 को रात्रि विश्राम एवं जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक के बाद अमानगढ़ टाइगर रिजर्व में माननीय समिति द्वारा भ्रमण किया जाएगा। उन्होंने बताया कि माननीय समिति द्वारा अमानगढ़ टाइगर रिजर्व भ्रमण के पश्चात अगले दिन 10 अप्रैल को समिति अमरोहा के लिए प्रस्थान करेगी।

श्रीरामनवमी के अवसर पर गजरौला कोतवाली परिसर में कन्याभोज कार्यक्रम का आयोजन

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- श्री राम नवमी के पावन अवसर पर जनपद के गजरौला कोतवाली परिसर में शुक्रवार को कन्या भोज कार्यक्रम का आयोजन कराया गया ,इस कार्यक्रम को कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार के नेतृत्व में बड़े ही सद्भाव और श्रृद्धा के साथ संपन्न कराया गया,इसके बाद वहां उपस्थित गढ़मान्य लोगों को भी प्रसाद वितरण किया गया। बता दें कि शुक्रवार को नगर कोतवाली परिसर में धार्मिक

परंपरा के अनुसार नौ कन्याओं को विधि-विधान से भोज कराया गया। पुलिसकर्मियों ने कन्याओं के चरण स्पर्श कर सुख-शांति और समृद्धि की कामना की।कन्या पूजन के बाद, कोतवाली परिसर में उपस्थित पुलिस-कर्मियों और क्षेत्र के गणमान्य लोगों को प्रसाद वितरित किया गया।प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार ने बताया कि ऐसे धार्मिक आयोजन समाज में सकारात्मक संदेश देते हैं और आपसी भाईचारे व सौहार्द को बढ़ावा देते हैं। इस अवसर पर वहां थाना स्टाफ सहित क्षेत्र के कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

इसराइल में एक माह फंसे सौमिल की सकुशल वापसी, घर पहुंचते ही परिजनों में खुशी की लहर

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के धामपुर निवासी युवक के एक माह बाद विदेश से सकुशल लौटने पर परिवार में खुशी का माहौल है। इसराइल में फंसे रहे 28 वर्षीय सौमिल अग्रवाल के भारत लौटने और घर पहुंचने पर परिजन भावुक हो उठे और उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। जानकारी के अनुसार धामपुर के मोहल्ला बका लाल निवासी प्रसिद्ध मिष्ठान व्यापारी राजीव कुमार अग्रवाल के पुत्र सौमिल अग्रवाल 24 फरवरी को एक कंपनी के माध्यम से शूटिंग के सिलसिले में इसराइल गए थे। इसी दौरान वहां युद्ध जैसी स्थिति बनने से वह तेल अवीव में फंस गए। सुरक्षा के मद्देनजर उन्हें

कंपनी की ओर से होटल के बंकर में रखा गया, जहां उन्होंने काफी समय बिताया। करीब एक माह तक फंसे रहने के बाद भारतीय दूतावास के प्रयासों से उनकी वापसी संभव हो सकी। सौमिल ने बताया कि उन्हें ट्रांजिट वीजा मिलने में दिक्कत आ रही थी, लेकिन दूतावास की मदद से 25 मार्च को वह जॉर्डन बॉर्डर तक पहुंचे। वहां से ट्रैवल एजेंसी के माध्यम से उन्हें ओमान एयरपोर्ट भेजा गया, जहां से फ्लाइट द्वारा वह मुंबई और फिर दिल्ली पहुंचे।

दिल्ली पहुंचने पर उनके माता-पिता उन्हें लेने पहुंचे, जहां भावुक माहौल में परिवार ने उन्हें गले लगाया। इसके बाद जब सौमिल अपने गृह नगर धामपुर पहुंचे तो उनसे मिलने वालों का तांता लग गया। क्षेत्र के लोगों ने भी उनकी सकुशल वापसी पर खुशी जाहिर की। पिता राजीव अग्रवाल ने बेटे की सुरक्षित वापसी के लिए भारतीय दूतावास का आभार जताया। इस घटना ने परिवार के साथ-साथ पूरे क्षेत्र में राहत और खुशी का माहौल पैदा कर दिया है।

रजबपुर क्षेत्र में थार खरीदने की जलन में युवक पर हमला,दो के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज

रजबपुर/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के रजबपुर थाना क्षेत्र में एक युवक से मारपीट और गाली-गलौज का मामला सामने आया है। आरोप है कि थार गाड़ी खरीदने की रंजिश में एक युवक और उसके साथी ने कार सवार युवक पर हमला किया। पुलिस ने इस मामले में नामजद समेत दो आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बता दें कि यह घटना 25 मार्च की रात करीब 9 बजे की है। गजरौला के भानपुर निवासी जशवीर सिंह के बेटे वंश अपनी स्विफ्ट गाड़ी से

रजबपुर थाना क्षेत्र के ग्राम पीठखेड़ा में दोस्तों से मिलने गए थे। तहरीर के अनुसार, जब वंश पीठखेड़ा गांव पहुंचे, तो वहां पहले से ही पीठखेड़ा निवासी शनि पुत्र राजेंद्र और उसका एक अज्ञात साथी घात लगाकर खड़े थे। आरोप है कि वंश ने जब से थार गाड़ी खरीदी है, तब से शनि उससे ईर्ष्या रखता है। वंश को अपने गांव में देखकर शनि और उसके साथी ने गाली-गलौज शुरू कर दी और लाठी-डंडों से उसकी पिटाई की। इस हमले में वंश की गाड़ी भी क्षतिग्रस्त हो गई। शोर मचाने पर दोनों आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। पीड़ित वंश ने घर जाकर परिजनों को घटना की जानकारी दी। बृहस्पतिवार को पीड़ित ने रजबपुर थाने में मामले की तहरीर सौंपी। पुलिस ने तहरीर के आधार पर नामजद शनि और एक अज्ञात युवक के खिलाफ 26 मार्च समय 18:58 बजे संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है।रजबपुर थाना प्रभारी कोमल तोमर ने बताया कि पुलिस द्वारा मामले में वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

नजीबाबाद के युवक की गुजरात में मौत

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के नजीबाबाद क्षेत्र के मोहल्ला मुगलूशाह निवासी 19 वर्षीय युवक समीर की गुजरात में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। घटना के बाद जहां परिवार में कोहराम मचा हुआ है, वहीं पूरे मोहल्ले में शोक और चर्चा का माहौल है। परिजनों ने इस मामले को प्रेम प्रसंग से जोड़ते हुए युवती और उसके परिचित पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार समीर गुजरात के बलसाड जिले के बिल्ली मोरा गांव में रहकर सैलून का काम करता था और वहीं से अपने परिवार का भरण-पोषण करता था। बताया जा रहा है कि बुधवार शाम को वह अपने कमरे में संदिग्ध अवस्था में मिला। आसपास के लोगों को जब शक हुआ तो उन्होंने खिड़की

तोड़कर अंदर प्रवेश किया, जहां समीर मृत अवस्था में मिला। सूचना पर स्थानीय पुलिस पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

परिजनों का आरोप है कि समीर का एक युवती के साथ लंबे समय से प्रेम संबंध था। हाल के दिनों में दोनों के बीच विवाद चल रहा था। परिवार का कहना है कि युवक इस बात को लेकर मानसिक रूप से परेशान था। घटना से पहले उसने अपनी मां और संबंधित युवती से बात भी की थी। इसके बाद उसकी हालत बिगड़ गई और यह घटना हो गई।

शुक्रवार को पोस्टमार्टम के बाद समीर का शव नजीबाबाद स्थित उसके घर पहुंचा, जहां बड़ी संख्या में लोग एकत्र हो गए। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है और पूरे क्षेत्र में गम का माहौल बना हुआ है। बाद में दफन की तैयारी की गई।

पुलिस का कहना है कि मामले की सभी पहलुओं से जांच की जा रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

यमुनानगर के ईंट भट्ठा मालिकों ने बैठक में लिया ये बड़ा निर्णय, आम आदमी की जेब पर पड़ेगा असर

यमुनानगर : महंगाई के इस जमाने में अब आम आदमी से सब कुछ दूर होता जा रहा है। इस महंगाई को लेकर आज यमुनानगर के ईंट भट्ठा मालिकों ने एक अहम बैठक की। इसके बाद यह निर्णय लिया गया कि क्यों ना अब ईंटों के रेट को भी बढ़ा दिया जाए, क्योंकि कोयले के रेट में लगातार काफी बढ़ोतरी हो चुकी है। ऐसे में 1000 ईंट के ऊपर कोयला काफी खर्च हो रहा है जो कि अब एट भट्ठा मलिक उसे सहन नहीं कर पा रहे।
हालांकि इन भट्ठा मालिकों का यह भी कहना है कि अब ईंट भट्ठा घाटे का सौदा है, लेकिन मजबूरी में उन्हें यह चलाना पड़ रहा है क्योंकि अब वह काम भी कुछ और नहीं कर सकते। एक तरफ मिट्टी के रेट में काफी बढ़ोतरी हो रही है तो दूसरी तरफ कोयले के रेट में जिसको लेकर एक मीटिंग की गई। मीटिंग के बाद ईंट के रेट को 6500 से बढ़कर उसे 7500 से ङ्8000 तक कर दिया गया है। वहीं इन ईंट भट्ठा मालिकों ने यह भी कहा है कि यह रेट यही नहीं रहेगा, अगर कोयले के रेट में इजाफा और होता है तो 10 दिन के बाद एक और बड़ी बैठक होगी। इसके बाद ईंट के रेट को और बढ़ा दिया जाएगा। ऐसे में अगर इन इंटर के रेट यूं ही बढ़ते रहे तो आम आदमी के हाथों से मकान बनाना भी दूर होता नजर आ रहा है,
क्योंकि पहले से ही बजरी और सीमेंट सरिया का रेट काफी बढ़ चुका है और अब जब ईट का रेट भी बढ़ेगा तो आम लोगों के लिए यह बड़ा चिंता का विषय है।

सिरसा का ये युवा किसान दूसरे किसानों के लिए बना प्रेरणा का स्त्रोत, 5 एकड़ भूमि पर उगाते हैं 63 किस्मों की सब्जियां

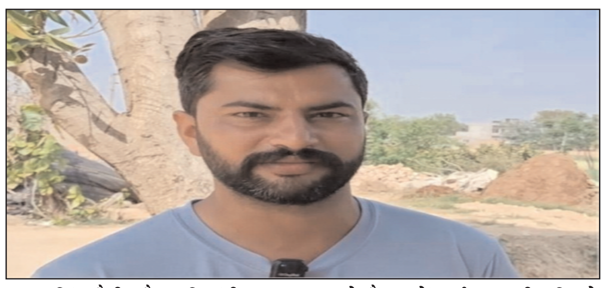

सिरसा (सतनाम सिंह) : सिरसा जिले के मत्तड गांव के युवा किसान गुरप्रीत सिंह आधुनिक सब्जी और फल की खेती कर रहे हैं। उनकी नवोन्मेषी पद्धतियों ने उन्हें क्षेत्र के अन्य किसानों के लिए प्रेरणा का स्त्रोत बना दिया है। किसान गुरप्रीत सिंह का परिवार लगभग 30 वर्षों से खेती का काम कर रहे है। उनके दादा बचन सिंह ने एक छोटे से भूखंड पर सब्जी की खेती शुरू की थी, जिसे उनके पिता गुरचरण सिंह ने आगे बढ़ाया। गुरप्रीत सिंह को पिछले सोमवार को हिसार के चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय कृषि मेले में सम्मानित भी किया गया। इसके साथ कृषि में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए राज्य स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त करने पर उन्हें पांच प्रमाण पत्र और पुरस्कार प्राप्त हुए। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा इस कार्यक्रम में उपस्थित थे। गुरप्रीत सिंह को मुख्यमंत्री द्वारा भी सम्मानित किया गया था। यही नहीं किसान गुरप्रीत सिंह को मुख्यमंत्री दो बार सम्मानित कर चुके है। गुरप्रीत ने आधुनिक तकनीक और कृषि उपकरण पेश किए, जिनमें मल्चिंग, ट्रेलिसिंग और नेट फार्मिंग शामिल हैं। वर्तमान में, गुरप्रीत पांच एकड़ भूमि पर लगभग 63 किस्मों की सब्जियां उगाते हैं। इनमें दुर्लभ स्थानीय किस्में और कुछ विदेशी किस्में भी शामिल हैं। इस मौसम में, उन्होंने जल-उपजाऊ सब्जियों की नई किस्में पेश की हैं। खरबूजा और लौकी की खेती करने वाला यह किसान मध्यमवर्गीय वर्ग का होने के बावजूद, एक छोटे से क्षेत्र से अच्छा मुनाफा कमाता है और दूसरों को रोजगार के अवसर प्रदान करता है। उनकी सब्जी संग्रह में पांच प्रकार के टमाटर शामिल हैं - चेरी, लाल, काला, पीला और नारंगी; पांच प्रकार की शिमला मिर्च - हरी, लाल, पीली, बैंगनी और नारंगी; और सात प्रकार की फूलगोभी - सफेद, पीली, नारंगी, ब्रोकोली, हरी, लाल और गांठदार फूलगोभी।युवा किसान गुरप्रीत सिंह ने कहा कि वह वेजिटेबल पर खेती कर रहे हैं, जो अलग-अलग प्रकार की हैं और वह भी सीजनल वेजिटेबल नहीं है। जो देश-विदेश सब्जियों बाजार में आसानी से नहीं मिलती उन सब्जियों की वो खेती कर रहे है। गुरप्रीत ने कहा कि उनके दादा और पिता खेती से जुड़े होने के कारण उनका रुझान भी इस ओर हुआ। उनके दादा और पिता परंपरागत खेती करते थे और मुनाफा भी नहीं था, लेकिन जब से उन्होंने अलग हटके खेती की तो उन्हें अच्छा मुनाफा मिल। उन्होंने कहा कि विभाग की ओर से भी उन्हें काफी सहयोग मिला और उन्होंने अपनी खेती को एक नया रूप दिया। उन्होंने कहा कि सरकार की योजनाओं का लाभ उठाते हुए उन्होंने अपनी खेती को एक नई पहचान दी है इसके लिए उन्हें मुख्यमंत्री दो बार सम्मानित भी कर चुके हैं। गुरप्रीत सिंह ने साथी किसानों को सलाह दी कि अगर नियमित फसलों के साथ-साथ सब्जियां भी उगाई जाएं तो छोटे भूखंड भी लाभदायक हो सकते हैं। उन्होंने स्वीकार किया कि मेहनत तो कठिन है, लेकिन परिणाम संतोषजनक होते हैं।
गुरप्रीत सिंह के पिता गुरबचन सिंह ने कहा कि उनके पिता व दादा खेती करते थे। उन्होंने कहा कि शुरू से ही वह सब्जियां उगाने का काम कर रहे हैं।

हरियाणा के किसानों की 'बल्ले-बल्ले': बिजली दरों में भारी राहत की घोषणा, सरकार भरेगी करोड़ों का बिल

चंडीगढ़: हरियाणा सरकार ने प्रदेश के लाखों किसानों के लिए खुशियों का पिटारा खोलते हुए अगले वित्त वर्ष के लिए बिजली दरों में भारी राहत की घोषणा की है। सरकार ने स्पष्ट किया है कि प्रदेश के किसानों को मात्र 10 पैसे प्रति यूनिट की दर से ही बिजली मिलती रहेगी। इस रियायती दर को बनाए रखने के लिए सरकार अपने खजाने से 7,870.32 करोड़ रुपये की भारी-भरकम सब्सिडी वहन करेगी। कृषि क्षेत्र को मजबूती देने के लिए सरकार ने न केवल दाम स्थिर रखे हैं, बल्कि बिजली की उपलब्धता भी बढ़ा दी है। अगले वित्त वर्ष में किसानों को पिछले वर्ष के मुकाबले 138.2 करोड़ यूनिट ज्यादा बिजली दी जाएगी। विभाग के आकलन के अनुसार, कुल कृषि खपत 1,068.66 करोड़ यूनिट रहने का अनुमान है, जिसकी पूरी तैयारी बिजली निगमों द्वारा कर ली गई है। मुख्यमंत्री ने कृषि क्षेत्र पर विशेष ध्यान केंद्रित करने के लिए 'हरियाणा एग्री डिस्कॉम' बनाने का प्रस्ताव रखा है। यह विशेष विंग प्रदेश के 7.12 लाख कृषि उपभोक्ताओं और 5,084 समर्पित फीडरों की निगरानी करेगा। इससे ट्यूबवेल कनेक्शन, फाल्ट सुधार और बिजली आपूर्ति की गुणवत्ता में सुधार होगा।

पंवार का कांग्रेस पर 'पावर' अटैक: बोले- वोट चोरी होती तो 52 से 99 कैसे पहुँचती कांग्रेस? अंबेडकर का चुनाव दिलाया याद

रोहतक : पंचायत एवं विकास मंत्री कृष्णलाल पंवार ने कांग्रेस द्वारा लगाए जा रहे वोट चोरी के आरोपों पर तीखा जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी कभी वोट चोरी नहीं करती, बल्कि इस तरह के आरोप कांग्रेस की पुरानी आदत है। मंत्री पंवार ने कहा कि अगर वास्तव में वोट चोरी होती, तो कांग्रेस को 2024 के लोकसभा चुनाव में 99 सीटें नहीं मिलतीं। उन्होंने तर्क देते हुए कहा कि 2019 में कांग्रेस को 52 सीटें मिली थीं, ऐसे में यदि चुनाव में गड़बड़ी होती तो सीटें बढ़ने के बजाय और कम होनी चाहिए थीं। इतिहास का जिक्र करते हुए मंत्री ने कहा कि 1952 में बाबा सहाब अम्बेडकर के चुनाव के दौरान कांग्रेस ने हजारों वोट रद्द करवाए थे। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस खुद इस तरह के हथकंडे अपनाती रही है और अब बीजेपी पर आरोप लगा रही है।चुनाव आयोग और बीजेपी की कथित मिलीभगत के आरोपों पर उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग एक ऑटोनॉमस संस्था है, जो निष्पक्ष रूप से चुनाव कराती है। बीजेपी की स्टांप से जुड़े सवाल पर उन्होंने इसे संभावित क्लेरिकल मिस्टेक बताया और कहा कि इसका कोई ठोस वैज्ञानिक आधार नहीं है। वहीं, ईरान-इजरायल तनाव के बीच देश में एलपीजी और पेट्रोल-डीजल की कमी की आशंकाओं पर मंत्री ने लोगों से अपील की कि घबराकर जमाखोरी न करें। उन्होंने कहा कि देश में किसी प्रकार की कमी नहीं है और सभी को अपनी जरूरत के अनुसार ही ईंधन लेना चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी द्वारा कोरोना जैसी चुनौती का उदाहरण देने पर मंत्री ने कहा कि यह केवल लोगों को सतर्क और तैयार रहने का संदेश है, ताकि किसी भी आपदा का मिलकर सामना किया जा सके। कृष्ण लाल पवार आज परिवेदना समिति की बैठक में भाग लेने के लिए रोहतक पहुंचे थे ।जहां उन्होंने 16 शिकायतें सुनी और मौके पर समाधान भी की।

अंबाला पुलिस की 'स्ट्राइक': जुए के अड्डे पर रेड, 8 गिरफ्तार...दांव पर लगे 21 हजार बरामद

अंबाला : अंबाला में सदर पुलिस ने जुआरियों पर शिकंजा कसते हुए जुआ खेलते हुए 8 लोगों को गिरफ्तार किया है। दरअसल, बीते दिन अंबाला शहर के सदर थाना पुलिस को सूचना मिली थी कि गांव रामदास नगर के एक खुले मैदान में कुछ लोग अवैध रूप से जुआ खेल रहे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए मौके पर छापा मारा। छापेमारी के दौरान पुलिस ने आठ व्यक्तियों को जुआ खेलते हुए रंगे हाथों पकड़ लिया। मौके से पुलिस ने 21,060 रुपये की नकदी भी बरामद की है। थाना प्रभारी शम्भू लाल ने बताया गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए आठ लोगों को जुआ खेलते हुए काबू किया गया है। सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर सदर थाना लाया गया है। आज इन्हें अदालत में पेश किया जाएगा और कोर्ट के आदेशानुसार आगामी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस की इस कार्रवाई से इलाके में हड़कंप मच गया है। फिलहाल सभी आरोपियों के खिलाफ जुआ अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

अभय चौटाला का सरकार पर हमला, सरसों खरीद, एलपीजी किल्लत और क्रॉस वोटिंग को लेकर उठाए सवाल

हरियाणा : इनेलो के राष्ट्रीय अध्यक्ष अभय सिंह चौटाला ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर हरियाणा सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने सरसों की खरीद, एलपीजी गैस की कथित किल्लत, पेट्रोल-डीजल की स्थिति और राज्यसभा चुनाव में क्रॉस वोटिंग जैसे कई मुद्दों पर सरकार को घेरा। अभय चौटाला ने बताया कि 12 मार्च को इनेलो का एक प्रतिनिधिमंडल मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से सरसों की खरीद को लेकर मिला था। उस दौरान मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया था कि मंडियां खुली रहेंगी और लाइसेंस आढ़तियों को जारी किए जाएंगे। लेकिन, चौटाला के अनुसार आज भी पुराने आदेश लागू हैं और जमीनी स्तर पर कोई बदलाव नजर नहीं आ रहा। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे को लेकर इनेलो ने राज्यपाल से मिलने के लिए समय मांगा है। चौटाला ने तंज कसते हुए कहा कि ऐसा लगता है कि अधिकारी मुख्यमंत्री की बात भी नहीं मानते। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि किसानों को परेशानी हुई और व्यापारियों के लाइसेंस रिन्यू नहीं किए गए, तो पार्टी इस मुद्दे को हर जिले और हर स्तर पर उठाएगी। सरकार की नीयत पर सवाल उठाते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि किसानों को मंडियों में फसल बेचने से रोकने और एमएसपी से बचने के लिए यह निर्णय लिया गया है। उन्होंने कहा कि सरकार की मंशा साफ नहीं है।मैने खुद सिलेंडर के लिए गैस एजेंसी को कॉल किया मिडिल ईस्ट में चल रही ईरान-इजरायल की लड़ाई का जिक्र करते हुए चौटाला ने आरोप लगाया कि इस स्थिति का फायदा उठाकर आम जनता को परेशान किया जा रहा है, जबकि सरकार अपने करीबियों को लाभ पहुंचा रही है। उन्होंने दावा किया कि लोग एलपीजी सिलेंडर के लिए लाइनों में लगे हैं और ब्लैक में गैस बेची जा रही है। उन्होंने यह भी कहा कि खुद उनके द्वारा गैस एजेंसी से संपर्क करने पर गैस उपलब्ध न होने की बात कही गई, जबकि बाजार में ऊंचे दामों पर गैस मिल रही है। इसके अलावा उन्होंने पेट्रोल-डीजल की किल्लत का भी मुद्दा उठाया और कहा कि फतेहाबाद समेत कई क्षेत्रों में हालात खराब हैं।
क्रॉस वोटिंग पर दिया बयान क्रॉस वोटिंग के मुद्दे पर बोलते हुए अभय चौटाला ने निर्दलीय उम्मीदवार देवेंद्र कादियान के बयान को गलत बताया, जिसमें इनेलो के दो विधायकों के उनके साथ नामांकन भरने की बात कही गई थी। उन्होंने कहा कि इस मामले में संबंधित चैनल और पत्रकार को नोटिस भेजा जाएगा कि झूठी अफवाह क्यों फैलाई गई। राज्यसभा चुनाव के दौरान हुड्डा को सब पता था वहीं, उन्होंने कांग्रेस नेता भूपिंदर सिंह हुड्डा पर भी निशाना साधा। चौटाला ने कहा कि राज्यसभा चुनाव के दौरान हुड्डा को सब पता है किसने क्रॉस वोट किए और किसने इनवेलिड किए हैं। हुड्डा 3 बजे तक राज्यसभा चुनावों के लिए विधानसभा में रहे हैं। उनके सामने सब हुआ लेकिन अब कुछ बोल नहीं रहे। अब वे इस मुद्दे पर चुप्पी साधे हुए हैं।

हांसी पुलिस का 'ऑपरेशन क्लीन', नशा तस्करों की स्कॉर्पियो जब्त, 65 किलो गांजे के साथ 4 लोग गिरफ्तार

हांसी : हांसी में जिला पुलिस की सीआईए टीम ने नशा तस्करों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। टीम ने करीब 65 किलो गांजा बरामद कर चार आरोपियों को गिरफ्तार किया। तस्करी में इस्तेमाल की जा रही एक स्कॉर्पियो गाड़ी भी जब्त की गई है। जानकारी के अनुसार, सीआईए टीम ने नाका लगाकर एक संदिग्ध स्कॉर्पियो गाड़ी को रोका और उसकी तलाशी ली। तलाशी के दौरान वाहन से भारी मात्रा में गांजा बरामद हुआ, जिसके बाद चारों आरोपियों को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान विनोद, रविंद्र, राकेश और मनबीर के रूप में हुई है। विनोद और रविंद्र गांव सैमन पुट्टी के निवासी हैं, जबकि राकेश और मनबीर गांव इगराह के रहने वाले बताए गए हैं। डीएसपी रविंद्र सांगवान ने प्रेस वार्ता में बताया कि गिरफ्तार आरोपियों में से दो पर पहले से ही एनडीपीएस एक्ट सहित अन्य आपराधिक केस दर्ज हैं। अन्य आरोपियों के आपराधिक रिकॉर्ड की भी जांच की जा रही है। पुलिस सभी आरोपियों को कोर्ट में पेश कर रिमांड पर लेगी। इसका उद्देश्य इस नशा तस्करी नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों और इसकी सप्लाई चेन का खुलासा करना है।
वहीं, डीएसपी ने आमजन से अपील की है कि नशा तस्करी से संबंधित कोई भी जानकारी मिलने पर पुलिस को सूचित करें। सूचना देने वाले की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी।

गोहाना से मासूम का अपहरण, बच्ची को लेकर बिहार भागने की फिराक में था आरोपी

गोहाना : गोहाना शहर में 3 साल की बच्ची के अपहरण का मामला सामने आया है। मामले में गोहाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए महज 24 घंटे के भीतर बच्ची को सकुशल बरामद कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। मिली जानकारी के अनुसार यह घटना गढ़ी सिसाये क्षेत्र की है। आरोपी ने पुरानी रंजिश के चलते पड़ोसी की 3 साल की बच्ची का अपहरण कर लिया। बताया जा रहा है कि कुछ दिन पहले आरोपी का अपने साढू (रिश्तेदार) से किसी बात को लेकर झगड़ा हुआ था, जिसके चलते उसने इस वारदात को अंजाम दिया। गोहाना के एसीपी राहुल देव ने मामले का खुलासा करते हुए बताया कि बच्ची का अपहरण कल शाम को हुआ था। शिकायत मिलते ही पुलिस ने तुरंत कार्रवाई शुरू की और आरोपी को दिल्ली के मयूर बिहार से बच्ची सहित गिरफ्तार कर लिया।
आरोपी की पहचान शशि फुलरिया, निवासी जिला मुजफ्फरनगर (बिहार) के रूप में हुई है, जो गोहाना में मजदूरी का काम करता था और किराए के मकान में रह रहा था। पुलिस के अनुसार आरोपी बच्ची को लेकर बिहार भागने की फिराक में था, लेकिन उससे पहले ही उसे पकड़ लिया गया।
पुलिस ने बच्ची को सकुशल बरामद कर लिया है और उसका मेडिकल करवाने के बाद उसे परिजनों के हवाले किया जाएगा।
फिलहाल पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है और उसे कोर्ट में पेश कर रिमांड लिया जाएगा, ताकि यह पता लगाया जा सके कि उसने बच्ची का अपहरण किस मकसद से किया था।

हरियाणा में कल से सरसों की सरकारी खरीद शुरू, किसान इन बातों का रखें ध्यान

रेवाड़ी : हरियाणा की मंडियों में 28 मार्च से सरसों की सरकारी खरीद शुरू होने जा रही है। इस बार खरीद प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी और सरल बनाने के लिए कई अहम बदलाव किए गए हैं, जिससे किसानों को राहत मिलेगी। मंडी अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि सरसों बेचने के लिए किसान को तीन गवाह लाने की बात पूरी तरह से अफवाह है। किसान अपने पंजीकरण के अनुसार स्वयं फसल बेच सकता है। साथ ही, किसान अपने नाम के अलावा अधिकतम तीन अन्य लोगों को भी अपनी उपज बेचने के लिए अधिकृत कर सकता है। अधिकारियों के अनुसार ट्रैक्टर पर नंबर प्लेट होना जरूरी है, लेकिन यदि किसी किसान के ट्रैक्टर पर नंबर प्लेट नहीं है, तब भी उसे अपनी फसल बेचने से नहीं रोका जाएगा। यह निर्णय किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए लिया गया है।
रेवाड़ी जिले में करीब 56,000 किसानों ने सरसों बिक्री के लिए अपना पंजीकरण कराया हुआ है। हालांकि इस बार निर्धारित न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) 6200 रुपए प्रति क्विंटल से अधिक बाजार भाव मिलने के कारण कई किसान निजी खरीददारों को सरसों बेच रहे हैं। वर्तमान में निजी बाजार में सरसों के भाव 5500 से 6700 रुपए प्रति क्विंटल तक चल रहे हैं, जिससे किसानों में संतोष देखा जा रहा है। अब तक निजी खरीददारों द्वारा 50 हजार क्विंटल से अधिक सरसों की खरीद की जा चुकी है। वहीं मंडी अधिकारियों का कहना है कि सरकारी खरीद शुरू होने के बाद स्थिति और स्पष्ट होगी। इस बीच, अधिकारियों ने यह भी आश्वासन दिया कि मंडियों में स्थित अटल कैंटीन में गैस की कोई कमी नहीं होने दी जाएगी, ताकि किसानों और मजदूरों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। मंडी अधिकारी सत्य प्रकाश यादव और मनीष कुमार ने रेवाड़ी की नई अनाज मंडी का दौरा कर खरीद तैयारियों का जायजा लिया और व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने के निर्देश दिए।

गौशाला में 'खूनी' सेवा: गूंगे बाबा की ईंटों से कुचलकर उतारा मौत के घाट

जींद: दनौदा कलां स्थित दादा रामेश्वर गौशाला में बुधवार देर रात एक गूंगे बाबा की हत्या कर दी गई। सदर थाना पुलिस ने एक आरोपी को नामजद कर उसे काबू कर लिया। शिकायत में गौशाला के सचिव ओमप्रकाश उर्फ पप्पू फौजी ने बताया कि करीब सात साल पहले सतबीर उर्फ गूंगा बाबा गौशाला के अन्नक्षेत्र परिसर में रहने लगा था, जो बोलने व सुनने में असमर्थ था। गांव का ही सतपाल उर्फ सत्ता कभी कभार गौशाला में सेवा करने के लिए - आता-जाता रहता था। 25 मार्च की रात करीब 10:15 बजे जितेंद्र ने फोन कर सूचना दी कि सतपाल उर्फ सत्ता के कपड़े खून से सने हैं व वह गौशाला परिसर में घूम रहा है। यह भी बताया कि उसका सतबीर उर्फ गूंगा बाबा से झगड़ा हुआ था। पूर्व सरपंच पुरुषोत्तम शर्मा को अवगत कराया और वे मौके पर पहुंचे। वहां उन्होंने जितेंद्र और संदीप के साथ अन्नक्षेत्र परिसर के शेड के नीचे जाकर देखा तो सतबीर उर्फ गूंगा बाबा खून से लथपथ जमीन पर मृत अवस्था में पड़ा मिला। पुलिस गौशाला पहुंची तो घटनास्थल पर संघर्ष और तोड़ फोड़ के स्पष्ट निशान मिले। इससे अंदाजा लगाया जा रहा है कि सतपाल उर्फ सत्ता ने बाबा के सिर में ईंटें मार उसे चोट पहुंचाई व उसके बाद फिर बाबा ने दम तोड़ दिया।
पुलिस ने गौशाला के सचिव ओमप्रकाश की शिकायत के आधार पर सतपाल उर्फ सत्ता के खिलाफ मामला दर्ज कर उसे काबू कर लिया है।

फरीदाबाद का वायु क्लब बना 'अखाड़ा' : बेटी के जन्मदिन पर बिल्डर के साथ खूनी संघर्ष, 10 लाख का हीरा भी लूटा

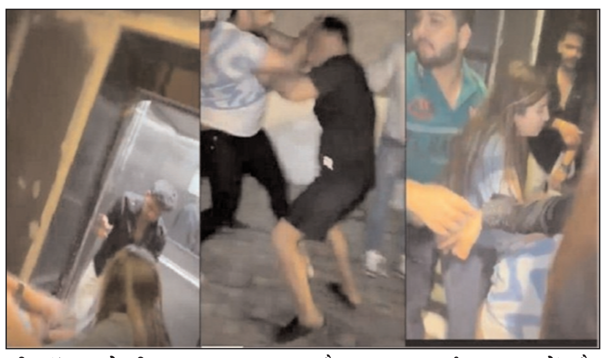

फरीदाबाद : फरीदाबाद के सेक्टर 88 स्थित Vayu Club में गाना चेंज कराने को लेकर हुए विवाद ने हिंसक रूप धारण कर लिया। क्लब में जन्मदिन की पार्टी करने आये एक बिल्डर और उसकी बेटियों के साथ जमकर मारपीट की गई। बीपीटीपी थाना पुलिस को मामले की शिकायत दी गई है पुलिस मामले की जांच कर रही है। सेक्टर 21 के रहने वाले रमन ग्रोवर ने जानकारी देते हुए बताया कि, वह गुडगांव में बिल्डर का काम करते है। 26 मार्च की रात को करीब 10 बजे वह अपनी बेटी का जन्मदिन मनाने के लिए सेक्टर 88 के Vayu Club गये थे। उनकी बेटी के साथ उसके भाई सहित 6 दोस्त थे। जिनमें 4 लड़किया और 2 लड़के थे। रात को 12 बजे के करीब वह वापस घर आ गये। लेकिन बच्चे क्लब में ही पार्टी कर रहे थे। उनकी बेटी ने डीजे से गाना चेंज करने के लिए कहा, इसको लेकर लेकर वहीं मौजूद एक सिम्मी अरोडा नामक की लड़की ने उसकी बेटी के साथ झगड़ा करना शुरू कर दिया। इसके बाद उसकी बेटी को थप्पड़ मार दिया। रमन ग्रोवर ने जानकारी देते हुए बताया कि बेटी की कॉल आते ही वह वापस क्लब पहुंचे। जहां पर वह सभी बच्चों को लेकर क्लब के नीचे आ गये। इसी दौरान उन पर दर्जन भर युवकों और क्लब के गार्डों ने हमला कर दिया। इससे पहले लिफ्ट में उनके और बच्चों के साथ मारपीट की गई। रमन के मुताबिक आरोपियों ने मारपीट के दौरान कान में पहली हुई बाली में डाला हुआ डायमंड भी छिन लिया। उन्होंने इसकी कीमत साढ़े 10 लाख रुपए के करीब बताई है। रमन ने बताया कि वह जैसे तैसे बच्चों को लेकर वहां से निकले और सभी को उनके घर छोड़ा ,जिसके बाद वह वापस पुलिस के साथ माके पर पहुंचे। रमन ने बताया कि उसकी बेटी कनाडा में फाइनेंस में ग्रेजुऐशन कर रही है। 15 फरवरी को दादी की मौत के बाद उसको कनाडा से बुलाया था। वह 28 मार्च को कनाडा वापस जाने वाली थी। इससे पहले बेटी का जन्मदिन मनाने के लिए क्लब जाने का प्लान बनाया था। रमन ग्रोवर ने कहा कि मारपीट के समय क्लब को चलाने वाला रिषिन चितकारा भी वही पर मौजूद था। लेकिन किसी ने भी उनके बच्चों को बचाने की कोशिश नही की। बीपीटीपी थाना प्रभारी अरविन्द ने बताया कि , पीडित के द्वारा मामले की शिकायत दी गई है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। क्लब में लगे सीसटीवी कैमरों की फूटेज को चैक किया जा रहा है।

फसलों के बीज जनित रोग का नियंत्रण आवश्यकता

बीज और बीज जनित रोगों का चोली दामन का साथ है अधिकांश बीमारियाँ बीजारूढ़ होती है जिनके नियंत्रण से बुआई पूर्व ही लाभ हो जाता है।

समुचित कटाई व्यवस्था एवं सुरक्षित भंडारण

फसल की कटाई अगर सही समय पर की जाये तो स्वस्थ एवं रोग रहित बीज प्राप्त किया जा सकता है। कटाई से पूर्व किसान भाई अवांछित खरपतवार एवं उसी फसल की दूसरी किस्मों को तथा रोग्रस्त पौधों को अलग करके फसल की कटाई करें, कटाई के समय बीज में नमी का भी सही स्तर होना आवश्यक है, यदि बीज ज्यादा सूख जाता है तो दाबन के समय वह चोटिल हो जाता है और उगने में सक्षम नहीं रहता है, इसी प्रकार जरूरत से ज्यादा नमी होने पर बी के ऊपर फफूंद लगाने का भय रहता है, कटाई के पश्चात बीज को आधुनिक भंडारगृह में 8-8-5 प्रतिशत नमी पर भंडारित करना चाहिए।

बीजोपचार के लिए अनुशंसा

क्रमांक	फसल	रसायन का नाम	रसायन मात्रा ग्राम किग्रा
	सस्य फसलें		
1	धान	बाविस्टिन /थायरम	1 : 2
2	गेहूँ	विटावैक्स /रैक्सिल	2.5 /1.5
3	मक्का	थायरम / कैप्टान	3
4	अरहर, चना, मूँग, सनई	बाविस्टिन /थायरम	3
5	आलू	साफ / कम्पेनियन	2
6	मसूर	बाविस्टिन /थायरम	2 / 3
7	सरसों	बाविस्टिन / थायरम	2 / 2
8	मूँगफली	बाविस्टिन /थायरम	2 / 2
	शाक दृ सब्जियाँ		
1	मटर एवं अन्य फलीदार सब्जियाँ	कैप्टान / थायरम	3
2	भिण्डी	कैप्टान / थायरम	3
3	बैंगन	थायरम /बाविस्टिन	3 / 2
4	मिर्ची	बाविस्टिन	2
5	गोभी	बाविस्टिन	2
6	टमाटर एवं पत्तीदार सब्जियाँ	बाविस्टिन	2
7	गाजर, प्याज, मूली एवं शलजम	बाविस्टिन	2
8	बीन फलियाँ	बाविस्टिन	2

बीज की सफाई

बीज के साथ मिश्रित उसी फसल के तने, शाखा, फल्लियों, पत्तियों के टुकड़े तथा मिट्टी के कण पाये जाते हैं इन अवांछित भागों पर रोगकारक फफूंदियों जीवाणुओं के संक्रमण भाग उपस्थित हो सकते हैं, किसान हाथ द्वारा बीज को साफ करके रोगजनक के प्राथमिक स्त्रोत को नष्ट कर सकते हैं जैसे- गेंहू की टुंडू बीमारी के कॉकिल्स, अलसी रस्ट में संक्रमित भागों को तथा बाजरा के अर्गट में स्क्लेरोशिया को हाथ से निकालकर नष्ट किया जा सकता है।

बीजोपचार

बीजोपचार, बी जनित रोगों की रोकथाम का सबसे सस्ता व सरल उपाय है, बीजोपचार का मुख्य उद्देश्य बीज तथा भूमि में उपस्थित रोगजनकों से बीज की रक्षा करना है, बीजोपचार की निम्नलिखित विधियाँ हैं:

भौतिक विधियां

बीजोपचार की भौतिक विधियां प्राचीनकाल से ही प्रचलित है, 1670 में गेहूँ से भरे जहाज में समुद्र का खास पानी भर गया जब इस गेहूँ को पुनः सुखाकर बीज के रूप में बोया तब यह पाया गया कि उनसे उगे गेहूँ के पौधे बदबूदार कण्डवा रोग से ग्रस्त नहीं हुये रेमनेन्ट ने सन 1637 में नमक को बीजोपचारक रूप में प्रयोग कर गेहूँ के कण्डवा रोग की रोकथाम की इसी प्रकार प्राचीनकाल से ही यह प्रचलित है कि बोने से पूर्व बीज को सूर्च की तेज धूप में सुखाया जाये और फिर बोया जायें

सूर्यताप द्वारा बीजोपचार

बीज के आंतरिक भाग में (भूरण) में रोगजनक को नष्ट करने के लिए रोगजनक की सुषुप्तावस्था को तोड़ना होता है जिसके बाद रोगजनक बिल्कुल नाजुक अवस्था में आ जाता है जिसे सूर्य की गर्मी द्वारा नष्ट किया जा सकता है, गेहूँ, जौ एवं जई का छिदरा कंडवा रोग आंतरिक बीज जन्य रोग है। इनके नियंत्रण हेतु बीज को पहले पानी में 3-4 घंटे भिगोते हैं और फिर सूर्य ताप में 4 घंटे तक रखते हैं जिससे बीज के आंतरिक भाग में उपस्थित रोगजनक का कवकजाल नष्ट हो जाता है।

गर्म जल द्वारा बीजोपचार

इस विधि का प्रयोग अधिकतर जीवाणु एवं विषाणुओं की रोकथाम के लिए किया जाता है। इस विधि में बीज या बीज के रूप में प्रयोग होने वाले भागों को 53-54 डिग्री सेल्सियस तापमान पर 15 मिनट तक रखा जाता है जिससे रोगजनक नष्ट हो जाते हैं जबकि बीज अंकुरण पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता। जैसे यदि गाजर के बीज को गर्म जल में 50 डिग्री सेल्सियस पर 30 मिनट तक रखा जाये तो आल्टरनेरिया नष्ट हो जाता है।

गर्म वायु द्वारा

गर्म वायु के प्रयोग द्वारा भी बीजों को उपचारित किया जा सकता है, जैसे- टमाटर के बीजों को 6 घंटे तक 29-37 डिग्री सेल्सियस पर सुखाया जाये तो फाइटोपथोरा इन्फेस्टेंस का असर खत्म हो जाता है। इसी प्रकार यदि टमाटर के बीजों को 76 डिग्री सेल्सियस गर्म वायु में 2 दिन तक रखा जाये तो मोजेक रोग का प्रकोप कम होता है।

विकिरण द्वारा

इस विधि में विभिन्न तीव्रता की अल्ट्रावयलेट या एक्स किरणों को अलग-अलग समय तक बीजों पर गुजारा जाता है जिससे रोगजनक नष्ट हो जाते है।

रसायनिक बीजापेचार

इस विधि में रसायनिक दवाओं का प्रयोग किया जाता है ये दैहिक या अदैहिक फफूंदनाशक या एण्टीबायोटिक हो सकते हैं यह रसायनिक फफूंदनाशक बीज के अंदर अवशेषित होकर अंतः बीज जनित रोगाणुओं को नष्ट करते हैं या यह एक संरक्षक कवच के रूप में बीज के चारों ओर एक घेरा बना लेते हैं जिससे बीज पर रोगाणुओं का संक्रमण नहीं हो पाता, फफूंदनाशक को बीजोपचारक के रूप में सर्वप्रथम 1760 में प्रयोग किया गया शुल्येश ने सर्वप्रथम गेंजू के कंडव रोग से बचाने हेतु कॉपर का प्रयोग किया 1913 में रहिन ने आर्गेनिक पारायुक्त फफूंदनाशक को बीजोपचारक के रूप में प्रयोग करने की सलाह दी। सन 1941 में हैरिगंटन ने घास (भान) रोग की रोकथाम के लिए थाइरम का उपयोग किया, सन 1952 में कैप्टन को बीजरक्षक फफूंदनाशक के रूप में उपयोग किया गया। सन 1968 में बेनोमिल की सर्वांगी फफूंदनाशक के रूप में खोज के पश्चात इस क्षेत्र में एक नये युग की शुरूआत हुई। तत्पश्चात कार्बोक्सिन, मेटालेक्सिन व दूसरे सर्वांगी फफूंदनाशक जैसे-थायरम, कैप्टान, एग्रोसान, डायथेन एम-45, डायफोलेटॉन की 2-5 से 3-0 ग्राम मात्रा जबकि दैहिक फफूंदनाशकों जैसे-कार्बोन्डाजिम, बीटावैक्स, वेनलेट, बेनोमिल की 1-5 से 2-0 ग्राम मात्रा प्रति किलोग्राम बीज के उपचार के लिए पर्याप्त होती है, फफूंदनाशक दवाओं से बीजोपचार मुख्यतः निम्न विधियों से किया जाता है

सूखा उपचार

यह विधि सोयाबीन, ज्वार, मूंगफली, उड़द, मूंग, अरहर, सूर्यमुखी, गेहूँ, चना, अलसी, सरसों आदि के लिए उपयुक्त हैं, बीजोपचार के लिए बीज तथा फफूंदनाशक दवा की उपयुक्त मात्रा को बीजोपचार ड्रम या मिट्टी के घड़े में डालकर 10 मिनट तक घुमाते है।

गीला उपचार

यह विधि प्रायः ऐसी फसलों के लिए प्रयोग में लाई जाती है जिसके कंद तथा तना आदि बीज के रूप में प्रयोग किये जाते हैं जैसे-गन्ना, आलू, अदरक, हल्दी, लहसुन, अरबी आदि बीजोपचार के लिए आवश्यक मात्रा में पानी व दवा का घोल बनाकर उसमें 10 मिनट तक बीज को डुबोकर रखते फिर बोनी करते है।

स्लीरी विधि

यह एक व्यापारिक विधि है जिसमें बड़े स्तर पर बीजोपचार करते हैं इस विधि में कवकनाशी की निर्धारित मात्रा का गाढ़ा पेस्ट बनाकर बीज की मात्रा के साथ अच्छी तरह से मिलाया जाता है व अच्छी तरह से मिलाया जाता है व अच्छी तरह सुखाने के पश्चातबीज को बेचने के लिए पैक कर संग्रहित करते हैं।

धूमीकरण

बीजजन्य रोगों के नियंत्रण हेतु यह एक अच्छी विधि है इस विधि में सोयाबीन के बीजों को फार्मेल्डिहाइड के साथ 2 घंटे तक या हाइड्रोजोइक अम्ल को 53 घंटे तक धूमीकृत करने से 80 प्रतिशत तक जीवाणु मुक्त बीज मिलते हैं।

जैविक बीजोपचार

यह कवकीय या जीवाणुवीय उत्पति के होते हैं जो कि पीथियम, राइजोक्टोनिया, फ्यूजेरियम, फाइटोफ्थोरा स्केलेरोशियम, मैक्रोफोमिना इत्यादि होने वाली विभिन्न बीमारियों जैसे-जड़ गलन, अर्द्रगलन, उकठा, बीज सड़न, अंगमारी आदि को नियंत्रित करते हैं, जैव नियंत्रण हानिकारक कवकों के लिए या तो स्थान, पोषक पदार्थ, जल, हवा की कमी कर देते हैं या फिर रोगजनक के शरीर से चिपककर उसकी बाहरी परत को कुछ प्रति जैविक पदार्थ द्वारा उपयोग कर लेते हैं जिससे रोगकारक जीव नष्ट हो जाता है। ट्राइकोडर्मा प्रजाति, वैसिलस सबटिलिस, स्यूडोमोनास प्रजाति, ग्लोमस प्रजाति प्रमुख जैव नियंत्रण हैं जिनकी 4-5 ग्राम मात्रा बीजोपचार के लिए पर्याप्त है।

स्वयं बीज का उत्पादन कैसे करें किसान

कृषक यदि अपना स्वयं का बीज तैयार करें तो वह बहुत सी समस्याओं से बचकर कम लागत में अधिक आर्थिक लाभ प्राप्त कर सकता हैः

रकबा व क्षेत्र का चुनाव

किसान भाई जितने क्षेत्र में फसल उगाना चाहें उसके दशवें भाग में बीजोत्पादन करना चाहिए अर्थात यदि 10 एकड़ की फसल के लिये बीज तैयार करना हो तो एक एकड़ जमीन में बीज बोने की जरूरत होगी। बीजोत्पादन हेतु ऐसा खेत चुने जिसमें पिछले सीजन में वह फसल न उगाई गई हों, खेत अच्छी तरह समतल हो, मिट्टी उपजाऊ तथा कार्बनिक पदार्थों से पूर्ण हो जैसे-हरी खाद, गोबर खाद, वर्मी कम्पोस्ट आदि खेत सिंचित हो तो अच्छा रहेगा।

भूमि की तैयारी एवं किस्म का चुनाव

फसल की कटाई के उपरांत फसल के अवशेषों को खेत से हटा देना चाहिए, तीन-चार जुताई करके खेत की मिट्टी भुरभुरी कर लेना चाहिए, खेत में पानी का भराव नहीं होना चाहिए।

बीज-बीज उत्पादन के लिए किस्म का चुनाव भौगोलिक क्षेत्र की कृषि-जलवायु के अनुकूल होना चाहिए। बोये जाने वाले बीज की अनुवांशिक शुद्धता व बीज की अन्य गुणवत्ता विश्वसनीय व प्रमाणित होनी चाहिएं यदि किसान भाई 'आधार बीज' का उत्पादन करना चाहते हैं, तो उसके लिये 'प्रजनक बीज' की बुवाई की जाती है तथा यदि किसान भाई 'प्रमाणित बीज' का उत्पादन लेना चाहते हो तो बीज के लिये 'आधार बीज' बोना चाहिए, किसानों को उच्च गुणवत्ता वाले बीज उपलब्ध कराने के उद्देश्य कराने के उद्देश्य से बीज का प्रगुणन चार चरणों में किया जाता है जो इस प्रकार है

अंकुरण की जांच एवं बीजोपचार

बीज का उपचार थीरम तथा वाविस्टीन (1:1) कवकनाशियों से 3 ग्राम प्रति किलो बीज की दर से करें, इसके बाढ़ राइजोबियम कल्चर तथा पी.एस.बी. का भी प्रयोग किया जाना चाहिए, इनकी दर 5 ग्राम प्रति किलो बीज के हिसाब से रखना चाहिए।

बुवाई-बीज उत्पादन हेतु फसल की बुवाई सही समय पर होनी चाहिए, निर्धारित कतार में ही करें साथ ही लाइन व पंक्ति की दूरी फसल के अनुरूप होनी चाहिए।

खाद तथा उर्वरक

बीज की गुणवत्ता तथा भूमि की भौतिक दशा बनाये रखने के लिये 10-15 टन गोबर की खाद या कम्पोस्ट प्रति हेक्टर की दर से हर तीसरी वर्ष डालना चाहिए, उर्वरकों का प्रयोग मृदा परीक्षण के आधार पर संतुलित मात्रा में करना चाहिए। पौधों की वांछनीय वृद्धि के लिए उर्वरकों को भूमि में 5-7 सेमी? की गहराई पर बीज के नीचे डालना चाहिये।

जल प्रबंधन

आवश्यकता से अधिक पानी को खेत में अति शीघ्र निकाल देना चाहिए, निम्न अवस्थाओं में पानी की कमी होना सबसे हानिकारक होता है, जैसे- अंकुरण की अवस्था, फूल आने पर, फली बनने पर व दाना भरने की अवस्था में यदि पानी की कमी होगी तो बीज की गुणवत्ता खराब होगी।

विभिन्नता दिखाने वाले पौधों को पहचानना व निकालना

बीज की जातीय शुद्धता बनाये रखने के लिए फसल का समय-समय पर सावधानीपूर्व क निरीक्षण करते रहना चाहिए। यदि फसल के अंदर कोई अन्य जाति या किस्म के पौधे उग आये हो अथवा रोग व कीटग्रस्त पौधों को निकालते रहे, जिस किस्म का बीजोत्पादन कर रहे हैं, उसके पौधों के गुणों से भिन्न गुणों वाले पौधों को फूल आने के पूर्व या फूल आते ही निकाल देना चाहिए। साथ ही फसल में किसी प्रकार के खरपतवार भी नही चाहिए।

कटाई व गहाई

फसल की कटाई समय पर ही करनी चाहिए, समय से पहले कटाई करने से बीज सिकुड़े हुए झुर्रीदार व दाने हरे बनने की समस्या होती है, जबकि देर से कटाई करने पर फली चटखने की सम्भावना रहती है। कटाई के समय 95 प्रतिशत फल्लियाँ पकी होनी चाहिए। फसल की गहाई जिस स्थान अथवा यंत्र से करें उसे भली-भांति साफ कर लें ताकि दूसरे किस्म के बीज न मिल पाये। बीज को सुखाने, सफाई व श्रेणीकरण (ग्रेडिंग) पक्के फर्स या त्रिपाल पर करें, बीज को 2-3 दिन धूप में सुखायें जिससे उपर्युक्त नमी हो जाये। परन्तु बीज को कभी भी सीधे सूर्च के प्रकाश में अधिक तापमान पर न सुखायें, बीज को अच्छी तरह साफ करें, फल्लियों व पौधों के टुकड़े मिट्टी, कंकड़, खरपतवार के बीज, टूटे-फूटे बीज आदि निकाल देना चाहिए। इसके पश्यात मशीन या हाथ के छलनी से श्रेणीकरण (ग्रेडिंग) करें तथा हल्के सुकड़े तथा रोगग्रस्त बीज निकाल दें।

बीजोपचार

स्वस्थ एवं नीरोग बीज के द्वारा ही फसलों का वांछित उत्पादन प्राप्त किया जा सकता है। बीजों को अस्वस्थ करने वाले कारकों में कवक, जीवाणु तथा सूत्रकृमि मुख्य हैं। बहुत से रोगों के जनक बीज के साथ, बीज की सतह पर या बीज के अन्दर रहते हैं तथा बीज को अस्वस्थ कर देते हैं। रोगी बीज का जमाव कम होता है तथा बीज के साथ रोगजनक एक जगह से दूसरे जगह आसानी से पहुँच जाते हैं। प्रमाणित बीजों का प्रयोग करने या बीजोपचार द्वारा फसल को बीजजनित रोगों से प्रारंभिक अवस्था में बचाया जा सकता है। रासायनिक बीजोपचार द्वारा बीजजनित रोग जनकों के नियंत्रण के साथ-साथ फसल की प्रारंभिक अवस्था में लगने वाले मृदाजनित रोगों से भी सुरक्षा मिलती है तथा जमाव अच्छा होता है। बीजोपचार सस्ता एवं सुविधाजनक भी हैं बीजोपचार अवश्य करना चाहिए। रसायन उपचारित बीज को कभी भी जानवरों या मनुष्यों को नहीं खिलाना चाहिए तथा बीजोपचार करने के लिए प्रयुक्त ड्रम या बर्तन को कभी भी पानी या अनाज रखने के लिए प्रयोग न करें। कुछ प्रमुख फसलों के लिए राष्ट्रीय बीज निगम द्वारा अनुशंसित बीजोपचार के लिए अपेक्षित मात्रा नीचे दी जा रही है।

अनाज के सुरक्षित भण्डारण के उपाय

नरेन्द्र कुमार एवं विवेक कुमार कीट विज्ञान विभाग एवं उद्यान विज्ञान विभाग
विद्यावाचस्पति शोध छात्र, राजस्थान कृषि अनुसन्धान संस्थान, दुर्गापुरा
जयपुर श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर राजस्थान

फसलों की कटाई के बाद सबसे जरूरी काम अनाज भंडारण का होता है। अनाज के सुरक्षित भंडारण के लिए वैज्ञानिक विधि अपनाने की जरूरत होती हैए जिससे अनाज को लंबे समय तक चूहेए कीटोंए नमीए फफूंद आदि से बचाया जा सके। भण्डारण की सही जानकारी न होने से 10 से 15 प्रतिशत तक अनाज नमीए दीमकए घुनए बैक्टीरिया द्वारा नष्ट हो जाता है। अनाज को रखने के लिए गोदाम की सफाई कर दीमक और पुराने अवशेष आदि को बाहर निकालकर जलाकर नष्ट कर दे। दीवारों, फर्श एवं जमीन आदि में यदि दरार हो तो उन्हे सीमेंटए ईट से बंद करे दें। टूटी दीवारों आदि की मरम्मत करा दें।

भण्डारण में होने वाली इस क्षति को रोकने के लिए किसान सुझावों को ध्यान में रखकर अनाज को भण्डारित कर सकते हैं। अनाजों को अच्छी तरह से साफ-सुथरा कर धूप में सुखा लेना चाहिए, जिससे कि दानों में 10 प्रतिशत से अधिक नमी न रहने पाए। अनाज में ज्यादा नमी रहने से फफूंद एवं कीटों का आक्रमण अधिक होता है। अनाज को सुखाने के बाद दांत से तोड़ने पर कट की आवाज करें तो समझना चाहिए कि अनाज भण्डारण के लायक सूख गया है। इसके बाद अनाज छाया में रखने के बाद ठंडा हो जाने के बाद ही भण्डार में रखना चाहिए।

भंडारण के लिए तैयार करें लकड़ी और तख्ते का मंच: अनाज से भरे बोरे को भण्डार गृह में रखने के लिए फर्श से 20 से 25 सेमी की ऊंचाई पर बांस या लकड़ी के तख्ते का मंच तैयार करना चाहिए, जो दीवार से कम-से-कम 75 सेमी की दूरी पर हो। बोरियों के छल्लियों के बीच भी 75 सेमी खाली स्थान रखना फायदेमंद होता है। गोदाम में पक्षियों एवं चूहों के आने-जाने के रास्ते को बंद कर देना चाहिए।

अनाजों व दालों का भंडारण

कुछ पारंपरिक अन्न भंडारण के तरीके जैसे आनाजों व दालों के कड़वा तेल लगानाए राख मिलानाए नीम, लहसुन व करंज के पत्ते कोठी में बिछाना, सूखे हुए लहसुन के डंठल रखना आदि। अनुसंधानों द्वारा यह पाया गया कि परंपरागत तरीके से आनाज व दालों में 10-20 प्रतिशत तक राख मिलाने से वो खराब नहीं होते पर आवश्यक है कि राख को छानकर व सुखा कर ही डाला जाय। राख की रगड़ खाकर कीड़े मर जाते और दानों के बीच की जगह जहां हवा हो सकती है, वहां राख आ जाने से हवा नहीं रहती। इस प्रकार राख मिलाना लाभप्रद होता है।

भंडारण करने से पहले यह सावधानियां जरूरी

■ अनाज भरे बोरे को छल्लियों या अन्न के ढेर को प्रधूमित करने के लिए एल्मुनियम फॉस्फाइड का पाउच आवश्यकतानुसार रखकर पॉलीथीन चादर से अच्छी तरह ढक कर उसके किनारे को सतह के साथ गीली मिट्टी से वायुरुद्ध कर देना चाहिए।

■ चूहों से बचाने के लिए एक ग्राम जिंक फॉस्फाईड और उन्नीस ग्राम सत्तू या आटा में थोड़ा सरसों तेल मिलाकर एवं लगभग 10 ग्राम की गोली बनाकर चूहों के आनेज़ाने के रास्ते पर गिनती में रख देना चाहिए।

■ खुले हुए अनाज पर कीटनाशी नहीं रखना चाहिएए चूहा शंकालु प्रवृत्ति का होता है। इसलिए बदलब़दल कर विषाक्त चाराए चूहेद़ानी एवं टिकिया को रखना चाहिए। दवा अनाज में देने के बाद हाथ साबुन से अच्छी तरह धो लेना चाहिए।

■ पुराना आनाज एवं भूसा इत्यादि को निकल कर एक महीने पहले सफाई कर चूहों द्वारा किए गए छेद एवं अन्य टूटफ़ूट की मरम्मत कर नीम की पत्ती का प्रधुमन करके अच्छी तरह से भण्डारण को बंद कर देंए जिसमें छुपे हुए भण्डारण कीट नष्ट हो जाए एवं अन्य भण्डारण बोरी को खौलती नीम की पत्ती वाले पानी में शोधित कर अच्छी तरह सुखा ले।

■ अन्न का भंडारण करते समय हवा के रुख को अवश्य ध्यान रखे अगर पुरवा हवा चल रही होए तब अन्न का भंडारण न करें। अनाज भंडारण में नीम की पत्ती का प्रयोग करते समय नीम पत्ती सूखी होनी चाहिए। इसके लिए नीम पत्ती को भण्डारण से 15 दिन पहले किसी छायादार स्थान पर कागज पर रख कर सुखा ले उसके बाद अन्न की बोरी में रखे।

भंडारण गृह में न हो सीलन

भण्डारण के लिए वैसे भण्डार गृह का चयन करना चाहिए, जहां सीलन नमी न हो एवं चूहों से अन्न का बचाव किया जा सके। भण्डार-गृह हवादार हो एवं जरूरत पड़ने पर वायु भी किया जा सके। भण्डार से पूर्व पक्का भण्डार गृह एवं धातु की कोठियों को साफ़ सुथरा कर लेना चाहिए एवं कीटमुक्त करने के लिए मेलाथियान 50 प्रतिशत का पानी में 1रू100 में बने घोल को दीवारों एवं फर्श पर प्रति एक सौ वर्ग मीटर में तीन लेयर घोल की दर से छिड़काव करना चाहिए। बोरियों में अनाज भर कर रखने के पहले इन बोरियों को 20-25 मिनट तक खौलते पानी में डाल देना चाहिए। इसके बाद धूप में अच्छी तरह सूखा देना चाहिए अथवा छिड़काव के लिए बने मालाथियान 50 प्रतिशत के घोल में बोरियों को डुबाकर फिर बाहर निकालकर सुखा लेना चाहिए। ठीक से सूख जाने के बाद ही उसमें अनाज भरना चाहिए।

साउथ सुपरस्टार धनुष के ड्रीम प्रोजेक्ट में विक्की कौशल की एंट्री

साउथ सिनेमा के दिग्गज निर्देशक एस. शंकर के ड्रीम प्रोजेक्ट 'वेलपरी' को लेकर नया अपडेट सामने आया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस मेगा बजट फिल्म में अब रणवीर सिंह की जगह विक्की कौशल नजर आ सकते हैं। फिल्म में साउथ सुपरस्टार धनुष पहले से ही अहम भूमिका में बताए जा रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, 'वेलपरी' में दूसरे लीड रोल के लिए पहले रणवीर सिंह का नाम चर्चा में था। हालांकि अब वलाई पेचु की एक रिपोर्ट के अनुसार मेकर्स इस किरदार के लिए विक्की कौशल से बातचीत कर रहे हैं और उन्हें कास्ट करने की योजना बना रहे हैं। हालांकि फिल्म की स्टारकास्ट को लेकर अभी तक आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है।

बताया जा रहा है कि फिल्म की कहानी प्रसिद्ध तमिल उपन्यास 'वीर युग नायकन वेल परी' पर आधारित है, जिसे लेखक सु. वेंकटेशन ने लिखा है। यह कहानी प्राचीन तमिलनाडु के प्रसिद्ध और उदार शासक वेलपरी के जीवन पर आधारित मानी जाती है। फिल्म को बड़े स्तर पर ऐतिहासिक ड्रामा के रूप में बनाने की तैयारी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, निर्देशक शंकर इस प्रोजेक्ट को लंबे समय से बनाना चाहते थे और इसे अपना ड्रीम प्रोजेक्ट मानते हैं। खबर यह भी है कि फिल्म के लिए धनुष से लंबी डेट्स मांगी गई हैं क्योंकि इसे बड़े पैमाने पर शूट करने की योजना है। अगर सब कुछ तय योजना के अनुसार होता है, तो दर्शकों को पहली बार बड़े पर्दे पर धनुष और विक्की कौशल की नई जोड़ी देखने को मिल सकती है। वहीं रणवीर सिंह का नाम फिलहाल इस प्रोजेक्ट से बाहर बताया जा रहा है। वर्कफ्रंट की बात करें तो धनुष आने वाले समय में कई बड़े प्रोजेक्ट्स में नजर आने वाले हैं। वहीं विक्की कौशल भी कई फिल्मों में व्यस्त हैं और उनकी परफॉर्मेंस को लेकर इंडस्ट्री में काफी चर्चा रहती है। फिलहाल 'वेलपरी' को लेकर मेकर्स की ओर से आधिकारिक घोषणा का इंतजार किया जा रहा है। अगर विक्की कौशल इस फिल्म में शामिल होते हैं तो यह बॉलीवुड और साउथ सिनेमा के बीच एक और बड़ी कोलैबोरेशन मानी जाएगी।

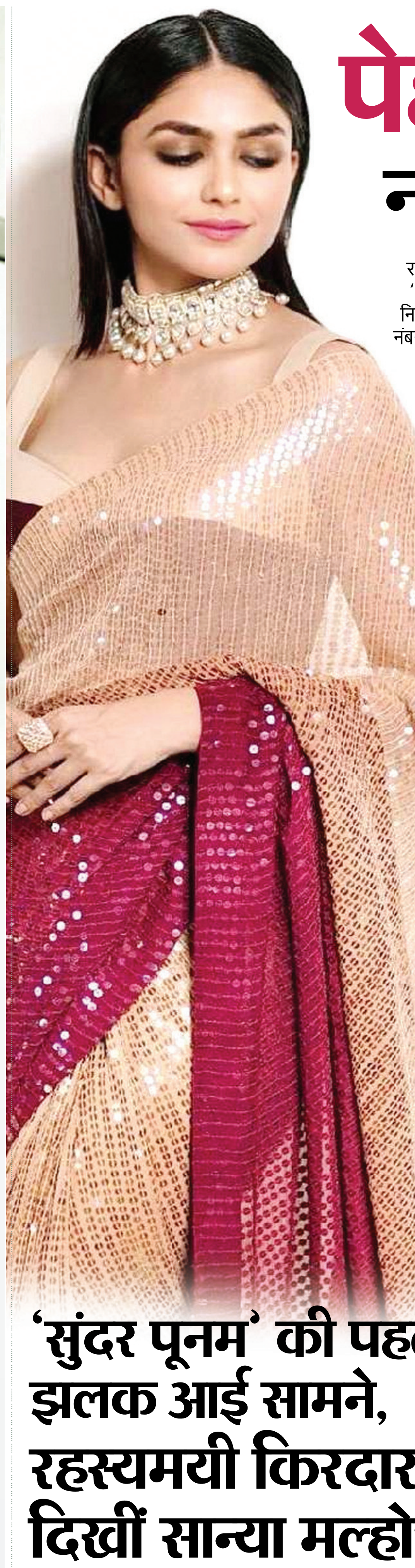

पेद्दी के डांस नंबर में नजर आएंगी मृणाल ठाकुर

राम चरण और जान्हवी कपूर अपनी आगामी फिल्म 'पेद्दी' को लेकर सुर्खियों में हैं। बुची बाबू सना द्वारा निर्देशित इस स्पोर्ट्स एक्शन ड्रामा में एक खास डांस नंबर होगा। जिसमें यह अभिनेत्री जान्हवी और राम के साथ कैमियो भूमिका में नजर आएंगी।

'पेद्दी' में होगा डांस नंबर

राम चरण और जान्हवी कपूर अपनी नई फिल्म 'पेद्दी' को लेकर काफी चर्चा में हैं। इस फिल्म में एक खास डांस गाना होगा। गुल्टे की रिपोर्ट के मुताबिक, 'सीता रामम' फेम मृणाल ठाकुर राम चरण और जान्हवी कपूर के साथ एक स्पेशल डांस नंबर में दिख सकती हैं। हालांकि, फिल्म मेकर्स ने इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

'पेद्दी' की स्टार कास्ट

'पेद्दी' एक स्पोर्ट्स एक्शन ड्रामा फिल्म है। इसकी कहानी गांव में होने वाले क्रिकेट टूर्नामेंट के इर्द-गिर्द घूमती है। राम चरण हीरो हैं, जबकि जान्हवी कपूर उनके साथ मुख्य भूमिका में हैं। इस फिल्म में शिव राजकुमार, दिव्येंदु शर्मा, जगपति बाबू, बोमन ईरानी जैसे कलाकार भी हैं। इसके निर्देशक बुची बाबू सना हैं। 'पेद्दी' का म्यूजिक एआर रहमान ने दिया है।

कब रिलीज होगी 'पेद्दी'

हाल ही में 'पेद्दी' का 'राय राय रा रा' नाम का दूसरा सिंगल रिलीज हुआ, जिसमें राम चरण के शानदार डांस मूव्स हैं। एआर रहमान ने इसे तेलुगु और तमिल दोनों में गाया है। 'पेद्दी' का एक्शन टीजर जल्द आने वाला है। हो सकता है कि 27 मार्च 2026 को राम चरण के जन्मदिन पर इसका खास टीजर रिलीज हो। फिल्म 'पेद्दी' 30 अप्रैल 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

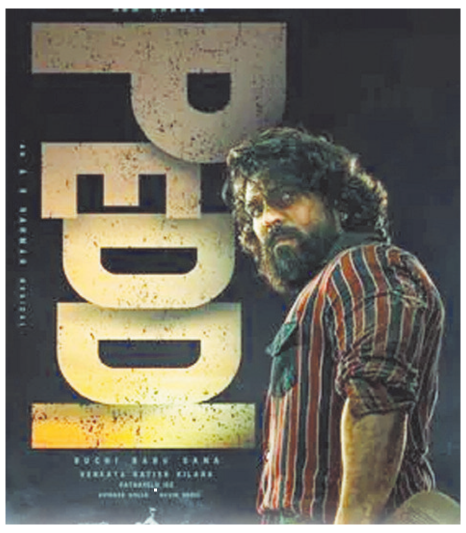

क्या 8 साल बाद अल्लू अर्जुन संग वापसी करेंगी अनुष्का शर्मा

साउथ स्टार अल्लू अर्जुन अपनी आगामी फिल्म पर काम कर रहे हैं। इस फिल्म का निर्देशन 'जवान' फिल्म के डायरेक्टर एटली कर रहे हैं। खबरों के मुताबिक, फिल्म में कई बड़े स्टार्स हैं, जिनमें दीपिका पादुकोण लीड रोल में हैं। अब नई खबरों के अनुसार, अनुष्का शर्मा भी इस साइंस फिक्शन फिल्म में नजर आएंगी। एक रिपोर्ट के अनुसार, बॉलीवुड की एक और बड़ी स्टार इस प्रोजेक्ट से जुड़ने वाली हैं। बताया जा रहा है कि वे फिल्म में शामिल होने के लिए बातचीत कर रही हैं और अगर यह सच साबित होता है, तो यह उनकी पहली तेलुगू फिल्म होगी। हालांकि, अभी तक इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

अनुष्का शर्मा की आखिरी फिल्म

अनुष्का शर्मा आखिरी बार 2018 में शाहरुख खान और कटरीना कैफ के साथ आई फिल्म 'जीरो' में नजर आई थीं। तब से वो किसी लीड रोल में नजर नहीं आई हैं। यह बताना जरूरी है कि निर्माता के तौर पर काम करने के बाद से अनुष्का किसी भी एक्टिंग प्रोजेक्ट को लेकर चर्चा में नहीं हैं। वह 2022 में पूर्व भारतीय महिला क्रिकेटर झूलन गोस्वामी की बायोपिक फिल्म 'चकदा एक्सप्रेस' में काम करने वाली थीं।

अनुष्का की फिल्म टलने की आशंका

हालांकि, इसके टलने की आशंका है और यहां तक कि इसके बंद होने की भी अफवाहें हैं। अनुष्का शर्मा और उनके पति विराट कोहली फिलहाल अपने बेटे और बेटी के साथ लंदन में रहते हैं।

अल्लू अर्जुन के साथ ये एक्ट्रेसेस भी

फिल्म की बात करें तो, खबरों के मुताबिक इस फिल्म में मृणाल ठाकुर, जाह्नवी कपूर और रश्मिका मंदाना समेत कई फीमेल एक्टर्स नजर आ रही हैं। ऐसी भी चर्चा है कि रश्मिका मंदाना फिल्म में निगेटिव रोल कर सकती हैं। अल्लू अर्जुन भी फिल्म में कई किरदारों में नजर आएंगे।

अल्लू अर्जुन की अगली फिल्म

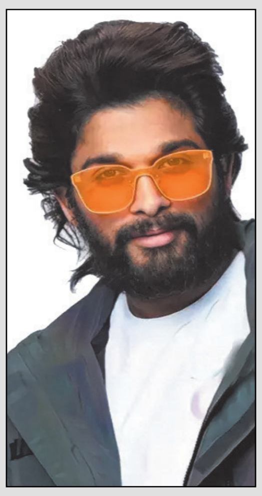

फिल्म का संगीत साई अभ्यंकर द्वारा तैयार किया जाएगा। वहीं, एटली के साथ काम करने के बाद, अल्लू अर्जुन लोकेश कनगराज के साथ काम करेंगे, जिसमें मशहूर संगीतकार अनिरुद्ध संगीत देंगे। फिल्म की शूटिंग 2026 में शुरू होने वाली है।

करण जौहर की टैलेंट एजेंसी से अलग हुई जान्हवी कपूर

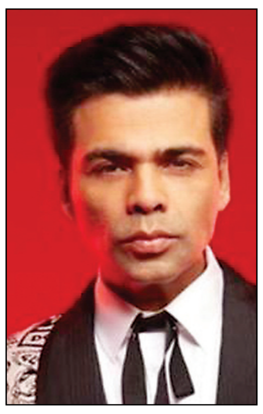

करण जौहर प्रोड्यूस कई फिल्मों में जान्हवी कपूर ने अभिनय किया है। लगता है कि अब वह अलग रास्ते पर चलना चाहती हैं कि यही वजह है कि हाल ही में वह करण जौहर की टैलेंट एजेंसी से अलग हो गई। हाल ही में बातचीत में करण जौहर कहते हैं, 'कुछ टैलेंट ऐसे होंगे जो हमारे पास आएंगे और चले जाएंगे। तीन बड़ी एजेंसियों के बीच हमेशा पासिंग द पार्सल जैसा खेल चलता रहता है।' करण जौहर ने यह भी बताया कि उनकी टैलेंट एजेंसी सबसे ज्यादा बिजनेस करती है।

क्या आगे जान्हवी कपूर के साथ काम करेंगे?

करण जौहर बातचीत में आगे कहते हैं, 'जिस किसी ने भी हमारी एजेंसी छोड़ी है, मैं हमेशा उनके लिए अच्छा ही चाहूंगा, उनके साथ काम भी करूंगा। कई बार ऐसा हुआ है कि उन्होंने हमारी एजेंसी छोड़ दी है, लेकिन मैं फिर भी उनके साथ काम करता रहता हूं।' इस जवाब से करण जौहर ने जता दिया कि वह आगे भी जान्हवी कपूर के साथ काम कर सकते हैं।

जान्हवी कपूर की आने वाली फिल्में कौन सी हैं?

करण जौहर की एजेंसी से अलग होने के बाद भी जान्हवी कपूर के पास बड़ी फिल्में हैं। वह जल्द ही साउथ एक्टर रामचरण के साथ फिल्म 'पेद्दी' में नजर आएंगी। पिछले साल वह फिल्म 'परम सुंदरी' और 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' में नजर आई थीं।

'सुंदर पूनम' की पहली झलक आई सामने, रहस्यमयी किरदार में दिखीं सान्या मल्होत्रा

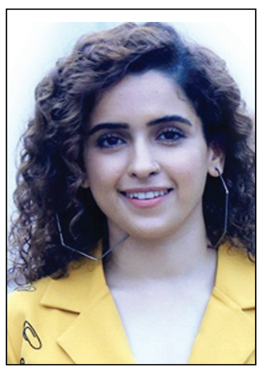

फिल्म 'सुंदर पूनम' के फर्स्ट लुक में सान्या मल्होत्रा दुल्हन के जोड़े में नजर आईं। फर्स्ट लुक देखकर लगता है कि वह कोई आम दुल्हन नहीं है, उनके किरदार में कई परतें हैं। फर्स्ट लुक से लगता है कि फिल्म 'सुंदर पूनम' अपने स्टोरी से दर्शकों को चौंका देगी, इसमें थ्रिलर, सस्पेंस की डोज मिलेगी। 'सुंदर पूनम' के फर्स्ट लुक में सान्या मल्होत्रा दुल्हन बन है, उसका फोन लगातार बज रहा है। जिसमें सुंदर और राजू नाम के नंबर से फोन आ रहा है। आखिर में दुल्हन मुस्कुराती है। पीछे से एक खबर सुनाई देती है कि एक शादी-शुदा जोड़ा कश्मीर में गायब हो गया।

जुनूनी प्यार और उलझा देने वाली कहानी दिखेगी

इस फिल्म में एक नया शादी-शुदा जोड़ा कश्मीर हनीमून पर जाता है। हनीमून के दौरान यह जोड़ा अचानक लापता हो जाता है। इसके साथ ही दुल्हन पूनम से जुड़ा एक रोंगटे खड़े कर देने वाला सच सामने आता है। इसमें उसकी जुनून भरी प्रेम कहानी है और उलझा हुआ अतीत है, जो दर्शकों को चौंकाने के लिए काफी है।

फिल्म सेट पर सपने की तरह बीते 25 साल

साउथ में शिवाजी द बॉस, छत्रपति और पोक्किरी राजा जैसी सुपरहिट फिल्में हों या हिंदी की हिट दृश्यम फ्रेंचाइजी, ऐक्ट्रेस श्रिया सरन पिछले ढाई दशक से अपने दर्शकों के दिलों पर राज कर रही हैं। इन दिनों वह अपनी वेब सीरीज स्पेस जेनः चंद्रयान को लेकर चर्चा में हैं।

आपको ऐक्टिंग की दुनिया में 25 साल हो गए। पीछे मुड़कर देखती हैं तो क्या अहसास होता है?

यह सब एक सपने जैसा है। जब मैं इंडस्ट्री में आई थी तो लगा था कि ये एक फिल्म करूंगी और फिर वापस कॉलेज चली जाऊंगी, लेकिन एक फिल्म के बाद दूसरी, फिर तीसरी होती गई। मैं खुद को बहुत खुशनसीब मानती हूं कि मुझे ये मौका मिला क्योंकि जब मैंने काम शुरू किया था, तब इंटरनेट वगैरह नहीं था तो स्पॉट होना और काम मिलना इतना आसान नहीं था। उस पर जब मैंने काम शुरू किया था तो ऐक्टिंग के बारे में कुछ नहीं जानती थी। मैंने कहीं ऐक्टिंग नहीं सीखी थी, फिर भी इतने सारे डायरेक्टर्स ने मुझ पर विश्वास किया।

आपकी सीरीज में जब चंद्रयान 2 फेल होता है, तो वैज्ञानिकों के मन में खुद की प्रतिभा पर सवाल भी उठते हैं, कभी आप अपने करियर में सेल्फ डाउट के इस दौर से गुजरी हैं?

बहुत बार। कई बार ऐसा हुआ है कि मैं अपनी चॉइस पर सवाल कर रही होती हूं कि मैंने गलत किया, ये फिल्म नहीं करनी चाहिए थी, पर फिल्म हिट हो गई। ऐसा बहुत बार हुआ है। वहीं, कभी किसी फिल्म के लिए बहुत ज्यादा मेहनत की और वो फिल्म नहीं चली, तब खुद की चॉइस पर शक होता है। आप वजहें ढूंढ़ते हैं, पर समझ नहीं आता कि इतनी मेहनत की, फिर क्यों नहीं चली। आप उस किरदार के इतने प्यार में होते हैं कि लगता है कि उसके साथ गलत हुआ। मेरे साथ तो सेल्फ डाउट वाली स्थिति बहुत हुई है, लेकिन आप उससे लड़ते हैं, जीतते हैं और आपको अहसास होता है कि उससे आगे ऐसी बहुत सी चीजें हैं जिसके लिए आपको शुक्रगुजार होना चाहिए। जो मौके आपको मिले, उसे लेकर आगे बढ़ना चाहिए।

अपने लंबे करियर में आपने रजनीकांत, नागार्जुन, अजय देवगन जैसे दिग्गजों के साथ काम किया है। उनकी कोई ऐसी सलाह है, जो बहुत पते की लगी?

बिल्कुल, जब मैं रजनीकांत सर के साथ शिवाजी द बॉस कर रही थी तो वो मेरे लिए बहुत बड़ा मौका था। शंकर (डायरेक्टर) सर, रजनीकांत सर, एआर रहमान सर, सबके साथ काम करना बहुत बड़ी बात थी। हम गाना शूट कर रहे थे, मैंने सही स्टेप किया तो राजू सुंदरम, जो बेहतरीन कोरियोग्राफर हैं, उन्होंने बहुत ही कमाल की बात कही कि तुम ये फिल्म कर रही हो, ये फिल्म बड़ी हिट होगी।

आप ऐक्टिंग के डिमांडिंग प्रफेशन और 5 साल की बेटी राधा की मां की भूमिका के बीच तालमेल कैसे बैठाती हैं?

हम माएं अपने बच्चे के लिए सारी व्यस्तताओं के बावजूद वक्त निकाल ही लेती हैं। मैं शूट से दो का भी ब्रेक मिलता तो वक्त चुराकर राधा से मिल आती थी। बीच-बीच में फेसटाइम कर लेती हूं। यह समाज की सोच है कि औरतों से ही ऐसे सवाल होते हैं। हमेशा वर्किंग माओं से ही पूछा जाता है कि जब आप काम कर रही हैं तो बच्चे की देखभाल कौन करता है? आप काम पर कैसे आए हैं? घर पर कौन है? और अगर आप ये बोलें कि आज मैं आठ घंटे काम करना चाहती हूं, नौवें घंटे घर जाना चाहती हूं तो तो नौवें घंटे पर भी लोगों को दिक्कत होती है, तो आपको इन सब चीजों से डील करना पड़ता है, पर ठीक है यार। हमें इन चीजों को हल्के में लेना पड़ता है और मां होने को इंजॉय करना होता है। एक मां होने का अहसास अनमोल है। एक वर्किंग मां होना भी इंजॉय करना होता है।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।